सी.बी.एस.ई.

हल प्रश्न-पत्र-2023

हिन्दी 'ब'

कक्षा–X

(Delhi & Outside Delhi Sets)

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पूर्ण रूप से अनुपालन कीजिए।

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 18 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खंड हैं—खंड 'अ' और 'ब'

(iii) **खंड 'अ'** में उपप्रश्नों सहित 45 बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(iv) **खंड 'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।

(v) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

(vi) यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

Delhi Set-I **4/4/1**

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:

5 × 1 = 5

कृषि में हरी खाद उस सहायक फ़सल को कहते हैं जिसकी खेती मुख्यतः भूमि में पोषक तत्त्वों को बढ़ाने तथा उसमें जैविक पदार्थों की पूर्ति करने के उद्देश्य से की जाती है। प्रायः इस तरह की फ़सल को हरित स्थिति में हल चलाकर मिट्टी में मिला दिया जाता है। हरी खाद से भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है और भूमि की रक्षा होती है। मृदा के लगातार उपयोग से उसमें उपस्थित पौधे की बढ़वार के लिए आवश्यक तत्त्व नष्ट होते जाते हैं। इनकी क्षतिपूर्ति के लिए और मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने के लिए हरी खाद एक उत्तम विकल्प है। बिना गले-सड़े हरे पौधे (फ़सलों अथवा उनके भाग) को जब मिट्टी की नत्रजन या जीवांश की मात्रा बढ़ाने के लिए खेत में दबाया जाता है तो इस क्रिया को हरी खाद देना कहते हैं।

हरी खाद के उपयोग से न सिर्फ़ जीवांश भूमि में उपलब्ध होता है बल्कि मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा में भी सुधार होता है। वातावरण तथा भूमि प्रदूषण की समस्या को समाप्त किया जा सकता है। लागत घटने से किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है, भूमि में सूक्ष्म तत्त्वों की आपूर्ति होती है साथ ही साथ मृदा की उर्वरा शक्ति भी बेहतर हो जाती है।

(i) हरी खाद का उपयोग खेतों में क्यों किया जाना चाहिए? **1**

(a) रासायनिक खाद की महँगी लागत से बचने के लिए। **(b)** रासायनिक खाद के ज़हर से बचने के लिए।

(c) खेती के पारंपरिक तरीकों को बढ़ावा देने के लिए। **(d)** मिट्टी की उर्वरता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए।

(ii) मिट्टी का उपजाऊपन कैसे कम हो जाता है? **1**

(a) रासायनिक खाद के उपयोग से। **(b)** समय पर वर्षा न होने से।

(c) मिट्टी के निरंतर उपयोग से। **(d)** तेज़ आँधी-तूफान के आने से।

(iii) 'हरी खाद देना' क्रिया कहा जाता है: **1**

(a) खेतों में हरे रंग की खाद का प्रयोग करने को।

(b) खेतों में ताज़ी खाद का प्रयोग करने को।

(c) गलने-सड़ने से पूर्व सहायक फ़सल को खेतों में दबाने को।

(d) गलने-सड़ने के बाद सहायक फ़सल को खेतों में दबाने को।

(iv) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए: **1**

(I) हरी खाद के उपयोग से भूमि में नमी बढ़ती है।

(II) हरी खाद के उपयोग से भूमि की उर्वरता बढ़ती है।

(III) हरी खाद के उपयोग से वातावरण शुद्ध होता है।

(IV) हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में जीवांश बढ़ते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

(a) केवल **(II)** **(b)** केवल **(I)**

(c) **(I)** , **(II)** और **(IV)** **(d)** **(II)** , **(III)** और **(IV)**

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए, उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए: **1**

कथन (A) - मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने के लिए हरी खाद एक उत्तम विकल्प है।

कारण (B) - हरी खाद से मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक दशा में सुधार होता है और लागत घटती है।

(a) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों गलत हैं।

(b) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों सही हैं।

(c) कथन (A) सही है तथा कारण **(R)** उसकी गलत व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों सही हैं, तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:

5 × 1 = 5

अनुभवी व्यक्तियों का कहना है, लक्ष्य चुनना ही काफ़ी नहीं होता, बल्कि उसे जितनी जल्दी चुना जाए, उतना ही बेहतर है। कई बड़े का. बिल लोग लक्ष्य चुनने में इतनी देर कर देते हैं कि उसे हासिल करने के लिए जीवन में समय ही नही बचता। इसीलिए स्कूली स्तर पर ही भाषा, गणित, विज्ञान समेत सभी विषयों के साथ-साथ खेल-कूद, नृत्य-संगीत जैसी विधाओं को भी पाठ्यक्रमों से जोड़ा जाता है, ताकि कच्ची उम्र से ही बच्चे अपनी रुचि के अनुरूप जीवन का लक्ष्य तय कर उस दिशा में आगे बढ़ सकें। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अपने शौक को लक्ष्य और फिर पेशे के रूप में चुनने से सफ़लता सुनिश्चित हो जाती है, क्योंकि इन्हें हासिल करने में इंसान अपना दिल, दिमाग और ताक़त लगा देता है। लक्ष्य-निर्धारण में देरी का अर्थ ही दूसरों से पिछड़ना है। आमतौर पर बच्चे कहते हैं कि मैं बड़ा होकर डॉक्टर, इंजीनियर या आई,ए.एस. बनूँगा, लेकिन इससे आगे बढ़ने का प्रयास नहीं करते। स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने तो किशोरावस्था में ही गायिका बनने का प्रयास शुरू कार दिया था और इतिहास रच दिया। तय है, लक्ष्य के साथ जीना सीखने वाले मुडकर नहीं देखते। कई सारे उदाहरण हैं, जो बताते हैं कि सफ़लता का बड़ा हिस्सा लक्ष्य-निर्धारण में जल्दी या देरी पर टिका है। महज़ आठ वर्ष की आयु में अमेरिकी तैराक माइकल फेलप्स ने तैराकी में ओलिम्पिक पदक जीतने का लक्ष्य साधा और आगे चलकर कुल अट्ठाईस पदक जीतकर ओलिम्पिक रिकॉर्ड कायम कर दिया। शिवाजी महाराज ने कहा था 'एक छोटा कदम लक्ष्य-निर्धारण की ओर बाद में सम्पूर्ण लक्ष्य हासिल करा देता है।' इसलिए सोच-विचार में समय गँवाने के बजाए लक्ष्य चुनिए और उड़ान भरना शुरू कीजिए।

(i) अनुभवी व्यक्तियों का लक्ष्य-चयन के विषय में क्या मत है? **1**

(a) लक्ष्य सोच-विचार कर शीघ्र निर्धारित करना चाहिए।

(b) लक्ष्य-निर्धारण करने में बड़ों की सलाह लेनी चाहिए।

(c) लक्ष्य-निर्धारण करने में जल्दबाज़ी नहीं करनी चाहिए।

(d) लक्ष्य-निर्धारण आर्थिक लाभ को देखकर किया जाना चाहिए।

(ii) स्कूली स्तर पर विभिन्न विषयों के साथ अन्य विधाओं को पाठ्यक्रम का हिस्सा क्यों बनाया जाता है? **1**

(a) बच्चों के दिमाग को कुछ समय आराम मिल सके।

(b) बच्चे रुचि के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ सकें।

(c) बच्चों को अन्य विधाओं की जानकारी मिल सके।

(d) बच्चों का पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन भी हो सके।

(iii) गद्यांश में लेखक ने प्रसिद्ध व्यक्तियों के उदाहरण क्यों दिए हैं? **1**

(a) उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करने के लिए।

(b) सही उम्र में लक्ष्य-निर्धारण की महत्ता समझाने के लिए।

(c) उनकी तरह परिश्रम कर महान् बनने के लिए।

(d) उनके जीवन के इतिहास से परिचित कराने के लिए।

(iv) गद्यांश में प्रयुक्त 'उड़ान भरना' का अर्थ है: **1**

(a) सपने देखना **(b)** कल्पना करना

(c) हवाई यात्रा करना **(d)** कोशिश करना

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए: **1**

कथन (A) – अपने शौक को लक्ष्य और पेशा बनाने से सफ़लता सुनिश्चित हो जाती है।

कथन (R) – एक छोटा कदम लक्ष्य-निर्धारण की ओर बाद में सम्पूर्ण लक्ष्य हासिल करा देता है।

(a) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों गलत हैं।

(b) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों सही हैं तथा कारण **(R)** कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(c) कथन (A) सही है तथा कारण **(R)** उसकी गलत व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) गलत है कारण **(R)** सही है।

3. 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—

4 × 1 = 4

(i) "मैं तो खेलते-कूदते दरजे में अव्वल आ गया।" – वाक्य में रेखांकित पदबंध है: **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** क्रिया पदबंध

(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया विशेषण पदबंध

(ii) "बार-बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता।"– इस वाक्य में संज्ञा पदबंध है: **1**

(a) तताँरा का याचना भरा **(b)** याचना भरा चेहरा

(c) बार-बार तताँरा का **(d)** आँखों में तैर जाता

(iii) "उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था।" – वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है: **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** क्रिया पदबंध

(c) सर्वनाम पदबंध **(d)** क्रिया विशेषण पदबंध

(iv) "लकड़ी की बड़ी अलमारी से पुस्तक ले आओ।" – इस वाक्य में विशेषण पदबंध कौन-सा है? **1**

(a) लकड़ी की बड़ी **(b)** बड़ी अलमारी से पुस्तक

(c) अलमारी से पुस्तक ले आओ **(d)** बड़ी अलमारी से पुस्तक ले आओ

(v) "सबकी सहयता करने वाले आप" आज उदास क्यों हैं? – वाक्य में रेखांकित पदबंध है: **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध

(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया पदबंध

4. 'रचना के आधार पर वाक्य- भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **4×1=4**

(i) "पढ़ाई और खेलकूद साथ-साथ चल सकते हैं" – वाक्य रचना की दृष्टि से है: **1**

(a) मिश्र वाक्य **(b)** सरल वाक्य

(c) संयुक्त वाक्य **(d)** सामान्य वाक्य

(ii) "उनकी नज़र मेरी ओर उठते ही मेरे प्राण निकले।" – इसका संयुक्त वाक्य बनेगा: **1**

(a) उनकी नज़र मेरी ओर उठी नहीं कि मेरे प्राण निकले।

(b) उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले।

(c) जैसे ही उनकी नज़र मेरी ओर उठी वैसे ही मेरे प्राण निकले।

(d) जब उनकी नज़र मेरी ओर उठी तब मेरे प्राण निकले।

(iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है: 1

(a) सफ़ल खिलाड़ी होने के कारण उसका कोई निशाना खाली नहीं जाता।

(b) वह सफ़ल खिलाड़ी है इसलिए उसका कोई निशाना खाली नहीं जाता।

(c) सफ़ल खिलाड़ी वह है जिसका कोई निशाना खाली नहीं जाता।

(d) वह खिलाड़ी सफ़ल है और उसका कोई निशाना खाली नहीं जाता।

(iv) "तताँरा वामीरो की जो त्यागमयी मृत्यु थी वो इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी" - रचना की दृष्टि से यह वाक्य है: 1

(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य

(c) साधारण वाक्य (d) मिश्र वाक्य

(v) "मेरी माँ कहती थी कि सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते तोड़ने पर पेड़ रोएँगे" - इसका सरल वाक्य बनेगा: 1

(a) मेरी माँ के अनुसार सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते तोड़ने पर पेड़ रोएँगे।

(b) मेरी माँ का ऐसा कहना था कि जब सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते तोड़ोगे तब पेड़ रोएँगे।

(c) मेरी माँ का कहना था कि सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोडो क्योंकि पेड़ रोएँगे।

(d) सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते तोड़ने पर पेड़ रोएँगे; माँ का कहना था।

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 4×1=4

(i) 'भयाकुल' समस्त पद का सही समास-विग्रह और समास का नाम कौन-सा है? 1

(a) भय से आकुल - तत्पुरुष समास (b) भय से कुल - कर्मधारय समास

(c) भय में कुल - कर्मधारय समास (d) भय में आकुल - तत्पुरुष समास

(ii) 'आमरण' समस्त पद कौन-से समास का उदाहरण है? 1

(a) कर्मधारय (b) तत्पुरुष

(c) अव्ययीभाव (d) बहुव्रीहि

(iii) 'नरहरि' समस्त पद का विग्रह होगा: 1

(a) नर के समान हरि (b) नर रूपी हरि

(c) हरि रूपी नर (d) नर और हरि

(iv) 'लंबा है उदर जिसका' विग्रह का समस्त पद है- 1

(a) लंबादर (b) लंबाउदर

(c) लंबादार (d) लंबोदर

(v) 'आत्मकथा' समस्त पद का विग्रह है- 1

(a) आत्मा की कथा (b) आत्म की कथा

(c) आत्मा के लिए कथा (d) आत्मा से कथा

6. निर्देशानुसार 'मुहावरों पर आधारित निम्नलिखित छः बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 4×4=4

(i) 'प्राण निकलना' मुहावरे का सही अर्थ है—

(a) मर जाना (b) परलोक सिधार जाना

(c) भयभीत हो जाना (d) जड़ हो जाना

(ii) 'हिम्मत टूटना' मुहावरे का सही अर्थ है- 1

(a) साहस समाप्त होना (b) धैर्य समाप्त होना

(c) धन समाप्त होना (d) आशा समाप्त होना

(iii) "नीरज चोपड़ा द्वारा ओलिम्पिक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर देश की .....।" रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए- 1

(a) आँखें नाम हो जाना (b) छाती फैल जाना

(c) खुशी का ठिकाना न रहना (d) लॉटरी लग जाना

(iv) "आई. ए.एस. की परीक्षा करने के लिए ..... पड़ती है, तब कही जाकर सफ़लता मिलती है।"– रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए– **1**

(a) आँखें फोड़ना **(b)** दिन–रात एक करना

(c) खून जलाना **(d)** लोहे के चने चबाना

(v) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए–

"शिकारी की एक ही गोली ने आदमखोर शोर का ..... दिया।" **1**

(a) खाक में मिलाना **(b)** धूल चटाना

(c) धूल में मिलाना **(d)** काम तमाम करना

(vi) 'असंभव काम कर दिखाना'– इस अर्थ के लिए सही मुहावरा है– **1**

(a) छोटा मुँह बड़ी बात **(b)** आसमान के तारे तोड़ना

(c) पहाड़ चढ़ना **(d)** हथेली पर सरसों उगाना

7. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 5×1=5

सुखिया सब संसार है, खायै अरु सोवे।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै!!
बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोई।
राम बियोगी ना जिवै, जिवै तो बोरा होई।।

(i) कबीरदास जी क्यों दु:खी हैं? **1**

(a) ईश्वर से बिछुड़ने के कारण। **(b)** ईश्वर को प्राप्त न कर सकने के कारण।

(c) विषय–वासनाओं में लिप्त मनुष्यों को देखकर **(d)** ईश्वर भजन में लिप्त मनुष्यों को देखकर।

(ii) 'सोना' और 'जागना' क्रमश: किसके प्रतीकार्थ हैं? **1**

(a) निद्रा और अनिद्रा के **(b)** अंधकार और प्रकाश के

(c) अज्ञान और ज्ञान के **(d)** दु:ख और सुख के

(iii) किस व्यक्ति पर 'मंत्र' का कोई प्रभाव नहीं दिखाई देता? **1**

(a) जिसका मन सांसारिक विषय–वासनाओं में लिप्त हो।

(b) जिसका मन अहंकार की भावना से भरा हो।

(c) जिसके मन में विरह रूपी सर्प ने घर बसा लिया हो।

(d) जिसके मन में मिलन रूपी सर्प ने घर बसा लिया हो।

(iv) कबीरदास जी के अनुसार 'बौरा' कौन है? **1**

(a) जिसे प्रभु का साक्षात्कार हो गया है।

(b) जो प्रभु से विलग रहना चाहता है।

(c) जो प्रभु की दिन–रात सेवा कर रहा है।

(d) जो प्रभु के वियोग में जीवन व्यतीत कर रहा है।

(v) 'मंत्र न लगना' का अर्थ है: **1**

(a) पीड़ित व्यक्ति का स्वस्थ न होना **(b)** विष का प्रभाव कम न होना

(c) मंत्र सिद्ध न होना **(d)** कोई उपाय काम न आना

8. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए। 2 × 1 = 2

(i) 'आत्मत्राण' कविता में कवि किससे छुटकारा प्राप्त करना चहता है? **1**

(a) आत्मिक भय से **(b)** सुख और दु:ख से

(c) हानि और लाभ से **(d)** जीवन और मरण से

(ii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर बताइए कि पर्वतों की ऊँचाई से गिरने वाले झरने किसके यश का गुणगान कर रहे हैं? **1**

(a) अंबर के **(b)** इंद्र के

(c) गिरि के **(d)** पावस के

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए: 5×1=5

राज कपूर ने एक अच्छे और सच्चे मित्र की हैसियत से शैलेंद्र को फ़िल्म की असफ़लता के खतरों से आगाह भी किया। पर वह तो एक आदर्शवादी भावुक कवि था, जिसे अपार संपत्ति और यश तक की इतनी कामना नहीं थी, जितनी आत्म-संतुष्टि के सुख की अभिलाषा थी। 'तीसरी कसम' कितनी ही महान् फ़िल्म क्यों न रही हो, लेकिनक यह एक दु:खद सत्य है कि इसे प्रदर्शित करने के लिए बमुश्किल वितरक मिले। बावजूद इसके कि 'तीसरी कसम' में राज कपूर और वहीदा रहमान जैसे नामजद सितारे थे, शंकर-जयकिशन का संगीत था, जिनकी लोकप्रियता उन दिनों सातवें आसमान पर थी और इसके गीत भी फ़िल्म के प्रदर्शन के पूर्व ही बेहद लोकप्रिय हो चुके थे, लेकिन इस फ़िल्म को खरीदने वाला कोई नहीं था। दरअसल इस फ़िल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने का गणित जानने वाले की समझ से परे थी। उसमें रची-बसी करुणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज़ नहीं थी।

(i) राज कपूर ने शैलेंद्र को किस बात से आगाह किया था? **1**

(a) फ़िल्म का किसी को समझ न आने वाली बात से।

(b) फ़िल्म से कोई आर्थिक लाभ न मिलने वाली बात से।

(c) फ़िल्म निर्माण में होने वाली परेशानियों से।

(d) फ़िल्म की संभावित असफ़लता के खतरों से।

(ii) शैलेंद्र को किस प्रकार का व्यक्ति माना जा सकता है? **1**

(a) कुशल फ़िल्म निर्माता **(b)** प्रसिद्ध गीतकार

(c) आदर्शवादी भावुक कवि **(d)** आत्म-संतुष्ट व्यक्ति

(iii) 'तीसरी कसम' फ़िल्म का दु:खद सत्य क्या था? **1**

(a) फ़िल्म के लिए खरीददार का न मिलना।

(b) लोगों का फ़िल्म को न समझ पाना।

(c) फ़िल्म का रूपहले पर्दे पर न पहुँच पाना।

(d) फ़िल्म को प्रसिद्धि न मिल पाना।

(iv) गंद्यांश में आई पंक्ति - 'दो से चार बनाने का गणित' - का अर्थ है— **1**

(a) अधिक-से-अधिक धन कमाना।

(b) संख्याओं को जोड़ने का हिसाब।

(c) अधिक-से-अधिक मुनाफ़ा कमाना।

(d) संख्याओं को गुणा करने का हिसाब।

(v) "उसमें रची-बसी करुणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज़ नहीं थी।" पंक्ति का आशय है- **1**

(a) यह करुणा अनुभूति का विषय थी, नाप-तोल का नहीं।

(b) यह करुणा बुद्धि का विषय थी, नाप-तोल का नहीं।

(c) यह करुणा हृदय का विषय थी, नाप-तोल का नहीं।

(d) यह करुणा भावना का विषय थी, नाप-तोल का नहीं।

10. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए: 2×1=2

(i) 'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर बताइए कि पशु-पर्व में तताँरा द्वारा तलवार खींचने का प्रमुख कारण क्या रहा होगा? **1**

(a) गाँव वालों का विरोध **(b)** वामीरो का रुदन

(c) वामीरो की माँ का विरोध **(d)** क्रोध निवारण

(ii) 'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के लेखक की माँ उन्हें क्या करने के लिए प्रेरित करती थी? **1**

(a) दीया-बाती के समय पेड़ों के पत्ते नहीं तोड़ने के लिए।

(b) दरिया को सलाम करने के लिए।

(c) कबूतरों को नहीं सताने के लिए।

(d) प्रकृति और जीव-जंतुओं से प्रेम करने के लिए।

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6

(i) 'बड़े भाई साहब' कहानी का बड़ा भाई शिक्षा को 'रटंत ज्ञान' और 'बे–सिर–पैर की बातें' मानता है जिनका व्यावहारिक जीवन में कोई अर्थ नहीं, इस संदर्भ में आपके क्या विचार हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। **3**

(ii) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए कि अंग्रेज़ सरकार ने कलकत्तावासियों द्वारा मोनूमेंट पार्क में आयोजित सभा को रोकने के लिए क्या–क्या प्रयास किए? **3**

(iii) 'कारतूस' एंकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि सआदत अली वज़ीर अली का सगा चाचा होते हुए भी उससे नफ़रत क्यों करता था? **3**

12. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6

(i) 'तोप' कविता के आधार पर 'तोप' और 'गौरेया' की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए बताइए कि इस कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है? **3**

(ii) "घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी" – 'मनुष्यता' कविता से ली गई इस पंक्ति के माध्यम से कवि ने जीवन रूपी मार्ग पर आगे बढ़ते समय क्या याद रखने को कहा है और क्यों? **3**

(iii) 'कर चले हम फ़िदा' गीत में कवि देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ रखता है? हम उसकी अपेक्षाओं पर किस रूप में खरा उतर रहे हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए। **3**

13. पूरक पाठ्य पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6

(i) हरिहर काका और टोपी शुक्ला दोनों ही भरे–पूरे परिवार से संबंधित होते हुए भी अकेले थे। दोनों के अकेलेपन के कारणों की समीक्षा कीजिए। **3**

(ii) 'सपनों के से दिन' पाठ में बच्चों को स्कूल जाना बिल्कुल भी पसंद नहीं था, क्यों? कारण सहित उत्तर स्पष्ट करते हुए बताइए कि स्कूल जाने के संबंध में आपका क्या अनुभव है? **3**

(iii) इफ़्फ़न के पिता के तबादले के बाद टोपी शुक्ला का कोई और मित्र क्यों नहीं बन सका? इसका उसके बालमन पर क्या प्रभाव पड़ा? **3**

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत–बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए— 1×5=5

(क) नाटक मंचन के दौरान जब मैं अपने संवाद भूल गया/गई **5**

- मेरी मन स्थिति
- दर्शकों का उत्साहवर्धन
- सफ़लतापूर्वक नाटक की समाप्ति

(ख) वर्षा की पहली पुकार **5**

- तन–मन की प्रसन्नता
- प्रकृति द्वारा वर्षा का स्वागत
- आस–पास का दृश्य

(ग) समाचार–पत्रों का कोई विकल्प नहीं

- जानकारी का सस्ता और सुलभ साधन
- समाचार–पत्रों के प्रकार
- समाचार–पत्रों के लाभ

15. (क) आपका नाम मुदित/मुदिता है प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश हेतु प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए नि:शुल्क शिक्षण की जो व्यवस्था की गई है, उसकी सराहना करते हुए किसी दैनिक हिन्दी समाचार–पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। **5**

अथवा

(ख) 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' पर आयोजित की जाने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों के अभ्यास हेतु सांकृतिक कला सचिव की ओर से स्कूल के प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए जिसमें प्रार्थना सभा के दौरान अभ्यास की अनुमति माँगी गई हो। **5**

16. **(क)** आपकी सोसायटी में आगामी माह के अंतिम सप्ताह में नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सोसायटी सचिव की ओर से इस जानकारी को लोगों को पहुँचाने के लिए लगभग 80 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। **4**

अथवा

(ख) आप दसवीं कक्षा के अर्पित/अर्पिता हैं। भोजनावकाश के दौरान खेल के मैदान में आपका ब्लेज़र (कोट) कहीं छूट गया। उससे संबंधित जानकारी देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। **4**

17. **(क)** आपकी माता जी तरह-तरह के स्वादिष्ट अचार बनाती हैं। इन अचारों की बिक्री के प्रचार-प्रसार हेतु लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **3**

अथवा

(ख) विद्यालय में आयोजित होने वाले वसंत मेले के प्रचार-प्रसार हेतु लगभग 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **3**

18. **(क)** 'रमेश बाबू ने बड़े ही मन से पुत्र के लिए मोबाइल खरीदा।' पंक्ति को आधार बनाकर लगभग 100 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए। **5**

अथवा

(ख) मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश की चेतावनी जारी किए जाने के कारण ज़िला प्रशासन ने दो दिन के लिए शिक्षण-संस्थाओं को बंद रखने का निर्देश दिया है। स्कूल प्रधानचार्य की ओर से लगभग 100 शब्दों में, अभिभावकों तक इस जानकारी को पहुँचाने के लिए विद्यालय की वेबसाइट पर डालने हेतु एक ई-मेल तैयार कीजिए। **5**

Delhi Set-II **4/4/2**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-I में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. **'पदबन्ध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **4×1=4**

(i) 'मैं हाँफते हुए धीरे-धीरे दौड़ रहा था।' - वाक्य में रेखांकित पदबंध है- **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** क्रिया पदबंध
(c) सर्वनाम पदबंध **(d)** क्रिया विशेषण पदबंध

(ii) 'उसकी कल्पना में वह अद्‌भुत साहसी युवक था।' - इस वाक्य में संज्ञा पदबंध है- **1**

(a) उसकी कल्पना में **(b)** वह अद्‌भुत साहसी
(c) अद्‌भुत साहसी युवक **(d)** अद्‌भुत साहसी

(iii) 'धीरे-धीरे सूरज डूबता जा रहा था।' - वाक्य में रेखांकित पदबंध है- **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) क्रिया पदबंध **(d)** क्रिया विशेषण

(iv) 'समुद्र किनारे ठंडी और भीगी बयार चल रही थी।' - इस वाक्य में विशेषण पदबंध है- **1**

(a) समुद्र किनारे ठंडी **(b)** किनारे ठंडी
(c) ठंडी और भीगी **(d)** ठंडी और भीगी बयार

(v) 'लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले आप आज खामोश क्यों हैं?' - वाक्य में रेखांकित पदबंध है: **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध
(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया पदबंध

4. **'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:** **4×1=4**

(i) 'पारिवारिक संतापों से मुक्ति पाने के लिए मीरा ने घर-द्वार छोड़ दिया था।' - रचना की दृष्टि से यह वाक्य है: **1**

(a) मिश्र वाक्य **(b)** सरल वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य **(d)** सामान्य वाक्य

(ii) 'मैं लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता।' - इसका संयुक्त वाक्य बनेगा- **1**

(a) जैसे ही मैं लताड़ सुनता आँसू बहाने लगता। **(b)** मैं लताड़ सुनता और आँसु बहाने लगता।
(c) मैं जब लताड़ सुनता तब आँसू बहाने लगता। **(d)** मेरे द्वारा लताड़ सुनकर आँसू बहाए जाने लगते।

(iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है– 1

(a) अपने ऊपर पैदा हुआ विश्वास फिर से लुप्त हो गया। (b) अपने ऊपर जो विश्वास पैदा हुआ था वह फिर लुप्त हो गया।

(c) अपने ऊपर विश्वास पैदा हुआ और फिर लुप्त हो गया। (d) अपने ऊपर विश्वास पैदा हुआ, फिर लुप्त हो गया।

(iv) "जैसे ही वामीरो कुछ सचेत हुई, वह घर की तरफ़ दौड़ पड़ी।" – रचना की दृष्टि से यह वाक्य है: 1

(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य

(c) साधारण वाक्य (d) मिश्र वाक्य

(v) "ग्वालियर में जो हमारा मकान था उसके दालान में दो रोशनदान थे।" – इसका संयुक्त वाक्य बनेगा: 1

(a) ग्वालियर में हमारा मकान था और उसके दालान में दो रोशनदान थे।

(b) हमारे ग्वालियर वाले मकान में दो रोशनदान थे।

(c) जब हम ग्वालियर थे हमारे मकान में दो रोशनदान थे।

(d) ग्वालियर में हमारा एक मकान था जिसके दालान में दो रोशनदान थे।

5. 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 4×1=4

(i) 'राज्य व्यवस्था' समस्त पद का सही समास-विग्रह और समास का नाम होगा– 1

(a) राज्य की व्यवस्था – तत्पुरुष (b) राजा की व्यवस्था – तत्पुरुष

(c) राजा के लिए व्यवस्था – कर्मधारय (d) राज्य में व्यवस्था – कर्मधारय

(ii) 'निस्संदेह' समस्त पद कौन-से समास का उदाहरण है? 1

(a) कर्मधारय (b) अव्ययीभाव

(c) द्वंद्व (d) बहुव्रीहि

(iii) 'गिरिधर' समस्त पद का सही समास विग्रह और समास के नाम का चयन कर लिखिए। 1

(a) गिरि को धारण किया है जिसने – बहुव्रीहि (b) गिरि पर रहने वाला – द्विगु

(c) गिरि का रहने वाला – कर्मधारय (d) गिरि को धारण करने वाला – अव्ययीभाव

(iv) 'चार मासों का समूह' विग्रह का समस्त पद है– 1

(a) चोमासा (b) चौमासा

(c) चौमाँसा (d) चार मास

(v) 'यथानियम' समस्त पद का विग्रह है– 1

(a) जितना नियम हो (b) जब नियम हो

(c) नियम के अनुसार (d) नियम के समान

6. 'मुहावरों' पर आधारित छः बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 4×1=4

(i) 'लाज रखना' मुहावरे का अर्थ है– 1

(a) शर्म रखना (b) सम्मान की रक्षा करना

(c) लज्जा रखना (d) साहस की रक्षा करना

(ii) 'व्यापार में नुकसान की मार झेल रहे हीरालाल से, उधार दी गई राशि माँगना, उसके ..... के समान जान पड़ा।' उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए– 1

(a) घाव पर नमक छिड़कना (b) सिर पर सवार होना

(c) सिर पर चढ़ना (d) हाथ धोकर पीछे पड़ना

(iii) 'अँधियारा मिटना' मुहावरे का अर्थ है– 1

(a) उजाला होना (b) प्रकाश आना

(c) अंधकार दूर होना (d) अज्ञान समाप्त होना

(iv) 'तुलसीदास की रचनाओं की व्याख्या करना, मेरे लिए ..... थी।' – रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए– 1

(a) छोटा मुँह बड़ी बात (b) आसमान के तारे तोड़ना

(c) बे-सिर-पैर की बातें करना (d) हथेली पर सरसों उगाना

(v) निम्नलिखित में दुःखी होना' अर्थ को व्यंजित करने वाला मुहावरा है– 1

(a) आँखों में तैरना (b) आँख भर आना

(c) आँख आना (d) आँखे बचाना

(vi) 'घर के बाहर साँप को देखकर मेरे ..... गए।' रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए– 1

(a) बाल-बाल बचना (b) चेहरे की हवाइयाँ उड़ना

(c) छठी का दूध याद आना (d) हाथ-पाँव फूलना

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

14. (क) आपका नाम देवांश/देवांशी है। आप अपने घर के पास स्थित बैंक में बचत खाता खुलवाना चाहते हैं। अपेक्षित दस्तावेज़ों की जानकारी प्राप्त करने हेतु बैंक प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। **3**

अथवा

(ख) आपका नाम अंकित/अंकिता है। तकनीकी संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक दृष्टि से कमजोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए नि:शुल्क शिक्षण की जो व्यवस्था की गई है, उसकी सराहना करते हुए किसी दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक का लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। **3**

17. (क) आपके बड़े भाई ने कक्षा 10-12 तक के छात्रों को गणित नि:शुल्क पढ़ाने का निर्णय लिया है। इस विषय में आवश्यक जानकारी देते हुए एक आकर्षक विज्ञापन 60 शब्दों में तैयार कीजिए। **3**

अथवा

(ख) आपके पिताजी का स्थानांतरण दूसरे शहर में हो गया है, इसलिए आप अपने घर का फर्नीचर बेचना चाहते हैं। इससे संबंधित आवश्यक जानकारी देते हुए 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **3**

Delhi Set-III **4/4/3**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-I & Set-II में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **4×1=4**

(i) "उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ जाता था।" वाक्य में रेखांकित पदबंध है। **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** क्रिया पदबंध

(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया विशेषण पदबंध

(ii) "किसी तरह एक ठंडा और उबाऊ दिन गुज़रने लगा।" - इस वाक्य में संज्ञा पदबंध कौन-सा है? **1**

(a) किसी तरह एक **(b)** ठंडा और उबाऊ

(c) ठंडा और उबाऊ दिन **(d)** दिन गुज़रने लगा

(iii) "नूह के सामने से एक बार एक घायल, गंदा कुत्ता गुज़रा।" - इस वाक्य में विशेषण पदबंध है। **1**

(a) नूह के सामने से **(b)** एक बार एक घायल कुत्ता

(c) गंदा कुत्ता गुज़रा **(d)** एक घाल, गंदा

(iv) "तताँरा को देखते ही वह ज़ोर से फूट-फूटकर रोने लगी।" - वाक्य में रेखांकित पदबंध है। **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध

(c) क्रिया पदबंध **(d)** क्रिया विशेषण पदबंध

(v) "अनुशासन भंग करने वालों में से कुछ दूसरी कक्षा के छात्र हैं।" - वाक्य में सर्वनाम पदबंध है। **1**

(a) अनुशासन भंग करने वाले छात्रों में **(b)** अनुशासन भंग करने वाले

(c) अनुशासन भंग करने वालों में से कुछ **(d)** छात्रों में से कुछ दूसरी कक्षा के हैं

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर चुनकर लिखिए: **4×1=4**

(i) 'मुझमें और तुममें पाँच साल का अंतर है।' -वाक्य रचना की दृष्टि से है: **1**

(a) मिश्र वाक्य **(b)** संयुक्त वाक्य

(c) सरल वाक्य **(d)** सामान्य वाक्य

(ii) "कई बार मुझे डाँटने का अवसर पाकर भी उन्होंने धीरज से काम लिया।" - वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा। **1**

(a) यद्यपि उन्हें कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिला फिर भी उन्होंने धीरज से काम लिया।

(b) कई बार मुझे डाँटने का अवसर मिला परन्तु उन्होंने धीरज से काम लिया

(c) मुझे कई बार डाँटने का अवसर पाकर भी उन्होंने धीरज से काम लिया।
(d) जब भी उन्हें मुझे डाँटने का अवसर मिला तब उन्होंने धीरज से काम लिया।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य है: 1
(a) बाज़ार से लौट रहे भाई साहब से सहसा मेरी मुठभेड़ हो गई।
(b) भाई साहब बाज़ार से लौट रहे थे और सहसा उनसे मेरी मुठभेड़ हो गई।
(c) भाई साहब के बाज़ार से लौटते समय मेरी मुठभेड़ हो गई।
(d) सहसा भाई साहब से मेरी मुठभेड़ हो गई, जो शायद बाज़ार से लौट रहे थे।

(iv) "जैसे ही वामीरो घर पहुँची भीतर ही भीतर बेचैनी महसूस करने लगी।" – रचना की दृष्टि से यह वाक्य है- 1
(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य
(c) साधारण वाक्य (d) मिश्र वाक्य

(v) "जो नहीं जा सके उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।" – वाक्य का सरल वाक्य बनेगा: 1
(a) जा नहीं सकने वालों ने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।
(b) जब जाया नहीं जा सका तो यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।
(c) जाया नहीं जा सका इसलिए यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।
(d) जिनके द्वारा जाया नहीं जा सका उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **4×1=4**

(i) 'युधिष्ठिर' शब्द का सही समास-विग्रह और समास का नाम चुनकर लिखिए- 1
(a) युद्ध में ठिर - तत्पुरुष (b) युद्ध में स्थिर - तत्पुरुष
(c) युद्ध के लिए स्थिर - अव्ययीभाव (d) युद्ध पर ठिर - कर्मधारय

(ii) 'प्रत्यक्ष' शब्द कौन-से समास का उदाहरण है? 1
(a) तत्पुरुष (b) बहुव्रीहि
(c) कर्मधारय (d) अव्ययीभाव

(iii) 'पीतांबर' समस्त पद का सही समास विग्रह और समास के नाम वाला विकल्प चुनकर लिखिए। 1
(a) पीला है जो अंबर - बहुव्रीहि (b) पीला है अंबर जिसका - बहुव्रीहि
(c) पीत अंबर - बहुव्रीहि (d) पीला है अंबर जिसका - कर्मधारय

(iv) 'क्रोधाग्नि' समस्त पद कौन-से समास का उदाहरण है? 1
(a) अव्ययीभाव (b) कर्मधारय
(c) बहुव्रीहि (d) द्वंद्व

(v) 'पुस्तकालय' शब्द का सही समास विग्रह है: 1
(a) पुस्तकों का आलय (b) पुस्तकों के लिए आलय
(c) पुस्तकों से आलय (d) पुस्तकों रूपी आलय

6. निर्देशानुसार 'मुहावरों पर आधारित छः बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- **4×4=4**

(i) 'राह न सूझना' मुहावरे का सही अर्थ है—
(a) रास्ता भूल जाना (b) भूल-भुलैया में फँस जाना
(c) उपाय समझ में न आना (d) घबरा जाना

(ii) 'गिरह बाँधना' मुहावरे का अर्थ है: 1
(a) गाँठ बाँधना (b) अच्छी तरह समझ लेना
(c) मन में सोचना (d) गाँठ लगाना

(iii) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कर लिखिए- 1
(a) नतमस्तक होना - अभिवादन करना (b) चक्कर खाना - चारों ओर घूमना
(c) तलवे चाटना - खुशामद करना (d) हाथ लगना - टकराना

(iv) 'बहुत परिश्रम करना' अर्थ के लिए उचित मुहावरे का चयन कर लिखिए— 1
(a) पेपर काले करना (b) नज़र रखना
(c) आँखों में धूल झोंकना (d) पापड़ बेलना

(v) "देशवासी बड़ी बेसब्री से राष्ट्रमण्डल खेलों में भारत का सिर ऊँचा करने वाले खिलाड़ियों की .... रहे है।" - इस वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए। 1

(a) बाट जोहना (b) हेकड़ी जताना

(c) घुड़कियाँ खाना (d) राह लेना

(vi) 'संयोग से सफ़लता प्राप्त' - अर्थ के लिए सही मुहावरा है— 1

(a) पाँचों उँगली घी में होना (b) तीर ठिकाने पर लगना

(c) निशाना लगना (d) अंधे के हाथ बटेर लगना

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

16. (क) 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर आपकी सोसायटी के पार्क में ध्वजारोहन और खेल- कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सोसायटी सचिव की ओर से इस जानकारी को लोगों तक पहुँचाने के लिए लगभग 80 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए। 4

अथवा

(ख) आप विद्यालय के हैड बॉय/हैड गर्ल, देव/देविका हैं। बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय में एक विज्ञान-मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें छात्रों द्वारा तैयार मॉडल और परियोजना-कार्य प्रदर्शित किए जाएँगे। सर्वश्रेष्ठ मॉडल और परियोजना कार्य को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार भी दिया जाएगा। इस मेले से संबंधित जानकारी देते हुए एक सूचना लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। 4

17. (क) आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं। कार संबंधी सम्पूर्ण जानकारी देते हुए लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। 3

अथवा

(ख) आपके क्षेत्र में अ.ब.स. क्लब द्वारा नि:शुल्क दंत जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें योग्य और अनुभवी चिकित्सकों द्वारा दाँतों की जाँच की जाएगी। अ.ब.स. क्लब की ओर से इसके प्रचार हेतु एक विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए। 3

Outside Delhi Set-I **4/6/1**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:** $5 \times 1 = 5$

कभी-कभी सहज से तेज़ गति में परिवर्तित होते क्रोध को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके परिणाम उत्यंत घातक और पश्चाताप के भाव जगाने वाले हो सकते हैं। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी के मनोविश्लेषक टॉम जी. स्टीवेन्स ने अपनी किताब 'ओवरकम एंगर ऐंड एग्रेसन' में स्पष्ट किया है कि क्रोध-नियंत्रण का एक प्रमुख तरीका यह है कि स्थिति को अपने नहीं, दूसरों के नज़रिए से देखें। दूसरों को उन स्थितियों पर प्रकाश डालने के लिए प्रोत्साहित करें, क्षमा करना सीखें, बीते को बिसारने की आदत विकसित करें और किसी को चोट पहुँचाने के बजाए प्रशंसा से उसका मूल्यांकन करें। याद रखें, क्रोध-नियंत्रण से आप स्वयं शक्तिशाली बनाते हैं। इससे आपकी खुशहाली और स्मृतियों का विस्तार होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ सिनियाटी के वैज्ञानिकों ने अपनी किताब 50 साइंस ऑफ मेंटल इलनेस में इन कमज़ोरियों पर प्रकाश डालते हुए गुस्से को काबू में रखने के कारगर सूत्र दिए हैं। क्रोध-नियंत्रण से हम अपना ही नहीं, दूसरों के उजड़ते संसार को फिर से आबाद कर सकते हैं क्योंकि शांत मन सृजन में समर्थ होता है। हमारे सृजनात्मक होने से ही मानवता का हित सध सकता है। तो जब भी क्रोध आए, तो इन उपायों को आजमाएँ। जीवन में बिखरी हुई चीज़ों को सँवारने की ओर कदम खुद बढ़ चलेंगे।

(i) क्रोध-नियंत्रण से होने वाले लाभों के संबंध में अनुपयुक्त कथन है। 1

(a) इससे व्यक्ति स्वयं को शक्तिशाली बनाता है। (b) इससे व्यक्ति के जीवन में खशहाली आती है।

(c) इससे व्यक्ति की विस्मृतियों का विस्तार होता है। (d) इससे व्यक्ति की रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

(ii) किस तरह का क्रोध अंतत: पश्चात्ताप का कारण बनता है? 1

(a) अत्यंत आवेग में किया गया क्रोध (b) सहज भाव से किया गया क्रोध

(c) प्रायश्चित भाव से किया गया क्रोध (d) आत्मघात भाव से किया गया क्रोध

(iii) मनोविश्लेषक स्टीवेन्स के अनुसार क्रोध पर काबू पाने पर सर्वोपयुक्त उपाय है। **1**

(a) परिस्थितियों पर दूसरों के नियंत्रण को स्वीकार करना।

(b) परिस्थितियों पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करना।

(c) परिस्थितियों को अपने नज़रिए से और अच्छे से समझना।

(d) परिस्थितियों को दूसरों के नज़रिए से जानने का प्रयास करना।

(iv) क्रोध आने पर क्या करना चाहिए? **1**

(a) उसकी असहज अभिव्यक्ति **(b)** उसकी सहज अभिव्यक्ति

(c) संयमित रहने का प्रयत्न **(d)** घातक परिणाम का स्मरण

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए: **1**

कथन (A) – क्रोध नवसृजन का संहारक है।

कारण (R) – क्रोध अवस्था में क्षमाशीलता न्यून हो जाती है।

(a) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों गलत हैं।

(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण **(R)** गलत है।

(c) कथन (A) सही है तथा कारण **(R)** उसकी सही व्याख्या है।

(d) कथन (A) सही है तथा कारण **(R)** उसकी सही व्याख्या नहीं है।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: **5 × 1 = 5**

शोर से होने वाली बहरेपन की बीमारी एक गंभीर स्वास्थ्यगत समस्या है। तेज़ आवाज़ हमारी श्रवण कोशिकाओं पर बहुत दबाव डालती है, जिससे वे स्थायी रूप से चोटिल हो सकती हैं। यदि सुनने की क्षमता एकबार चली गई तो उसे पुन: पाना नामुमकिन है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'वर्ल्ड हीयरिंग रिपोर्ट' के मुताबिक विश्व की 1.5 अरब आबादी बहरेपन के साथ जी रही है। ध्वनि प्रदूषण दरअसल ऐसे अवांछित विद्युत चुंबकीय संकेत हैं, जो इंसान को कई रूपों में नुकसान पहुँचाते हैं। इसीलिए, शोर-प्रेरित बहरेपन पर फौरन ध्यान देने की ज़रूरत है। वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि निर्माण कार्य, औद्योगिक कामकाज़, जहाज बनाने या मरम्त करने संबंधी काम, अग्निशमन, नागरिक उड्डयन आदि सेवाओं में लगे श्रमिकों में शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा अधिक होता है। आकलन है कि 15 फीसदी नौजवान संगीत-कार्यक्रमों, खेल-आयोजनों और दैनिक कामकाज़ में होने वाले शोर से बहरेपन का शिकार होते हैं। शोर-प्रेरित बहरनेपन की समस्या विकासशील देशों में ज़्यादा है, जहाँ तीव्र औद्योगीकरण, अनौपचारिक क्षेत्र के विस्तार और सुरक्षात्मक व शोर-नियंत्रणरोधी उपायों की कमी से लोग चौतरफ़ा शोर-शराबे में दिन-बिताने को अभिशप्त हैं। हमें यह समझना ही होगा कि श्रवण-शक्ति का ह्रास न सिर्फ़ इंसान को प्रभावित करता है, बल्कि समाज पर भी नकारात्मक असर डालता है।

(i) शोर-प्रेरित बहरेपन का खतरा किस क्षेत्र से जुड़े लोगों को कम है? **1**

(a) जहाज-निर्माण से जुड़े लोगों को **(b)** स्वास्थ्य-सेवाओं से जुड़े लोगों को

(c) खेल-आयोजनों से जुड़े लोगों को **(d)** संगीत-कार्यक्रमों से जुड़े लोगों को

(ii) गद्यांश के संदर्भ में अनुपयुक्त कथन है- **1**

(a) विकासशील देशों में अनौपचारिक क्षेत्र विस्तार की समस्या नहीं है।

(b) विकासशील देशों में शोर-नियंत्रणरोधी उपायों पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है।

(c) कुछ सेवाओं से जुडे लोग अन्य की तुलना में बहरेपन के अधिक शिकार हैं।

(d) कुछ खास सेवाओं से जुड़े युवा भी आज बहरेपन का शिकार हो रहे हैं।

(iii) विकासशील देशों के लोगों के जीवन को अभिशप्त क्यों कहा गया है? **1**

(a) उनका जीवन अनेक सामाजिक संकटों से घिरा है। **(b)** उनका जीवन अनेक आर्थिक संकटों से घिरा है।

(c) वे खराब सेहत वाली विवश ज़िंदगी बसर करते हैं। **(d)** वे शोर-शराबे से भी ज़िंदगी जीने को विवश हैं।

(iv) तीव्र आवाज़ का हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है? **1**

(a) तंत्रिका-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त **(b)** श्रवण-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त

(c) रक्त-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त **(d)** हृदय-कोशिकाएँ क्षतिग्रस्त

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए: **1**

कथन (A) - वर्तमान में श्रवण शक्ति का ह्रास एक सार्वजनिक समस्या बन गई है।

कारण (R) - आर्थिक विकास की अनियमित होड़ इस समस्या के मूल कारणों में से एक है।

(a) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों गलत हैं।

(b) कथन (A) सही है, लेकिन कारण **(R)** गलत है।

(c) कथन (A) सही है तथा कारण **(R)** कथन **(A)** की सही व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) सही है परंतु कारण **(R)** कथन **(A)** की गलत व्याख्या करता है।

3. 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— **4 × 1 = 4**

(i) तोतों को उनकी दहकती-भूरी आँखों से भय न लगता था। **1**

(a) विशेषण पदबंध **(b)** क्रिया-विशेषण पदबंध

(c) संज्ञा पदबंध **(d)** सर्वनाम पदबंध

(ii) 'मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झांडा फहराया जाएगा।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है- **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध

(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया-विशेषण पदबंध

(iii) "वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी यश और धन-लिप्सा से कोसों दूर ही रहे।" इस वाक्य में क्रिया पदबंध है- **1**

(a) के बीच रहते हुए **(b)** सिनेमा की चकाचौंध

(c) धन-लिप्सा से कोसों **(d)** दूर ही रहे

(iv) ''क्षितीश चटर्जी का फटा हुआ सिर देखकर आँख मिंच जाती थी।'' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है- **1**

(a) सर्वनाम पदबंध **(b)** संज्ञा पदबंध

(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रिया-विशेषण पदबंध

(v) 'अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंकने वाला वह आजमगढ़ की तरफ़ भाग गया।' इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद है- **1**

(a) संज्ञा पदबंध **(b)** सर्वनाम पदबंध

(c) विशेषण पदबंध **(d)** क्रियाविशेषण पदबंध

4. 'रचना की दृष्टि से वाक्य- भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- **4×1=4**

(i) 'जब डॉक्टर साहब की ज़मानत ज़ब्त हुई तब घर में ज़रा सन्नाटा हुआ।' इस वाक्य का रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए। **1**

(a) सरल वाक्य **(b)** संयुक्त वाक्य

(c) मिश्र वाक्य **(d)** विधानवाचक वाक्य

(ii) 'सालाना इम्तिहान होने पर मैं उसमें अव्वल दरज़े से पास हो गया।'
इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरित वाक्य है- **1**

(a) जब सालाना इम्तिहान हुआ तब मैं उसमें अव्वल दरज़े से पास हो गया।

(b) सालाना इम्तिहान हुआ और मैं उसमें अव्वल दरज़े से पास हो गया।

(c) सालाना इम्तिहान होते ही मैं उसमें अव्वल दरज़े से पास हो गया।

(d) सालाना इम्तिहानन में मैं अव्वल दरज़े से पास हो गया।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में उपयुक्त कथन है- **1**

(a) सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक ही विधेय होता है।

(b) सरल वाक्य में एक से अधिक उद्देश्य और विधेय होते हैं।

(c) संयुक्त वाक्य में एक ही वाक्य संयोजक द्वारा जुड़े रहते हैं।

(d) संयुक्त वाक्य में संयोजक द्वारा जुड़े वाक्य परस्पर आश्रित होते हैं।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य नहीं है- **1**

(a) इतने बादशाहों के नाम याद रखना आसान काम नहीं है।

(b) उनकी ऐसी हालत देखकर मुझे उन पर दया आती थी

(c) न जाने कैसे मैं अपने दरज़े में अव्वल आ गया।

(d) हालाँकि में पास हो गया फिर भी मेरा तिरस्कार हुआ।

(v) 'मेरे बहुत प्रयत्न करने पर भी उस पहेली का हल मुझे नहीं मिला।' **1**
रचना की दृष्टि से यह वाक्य कैसा वाक्य है?

(a) मिश्र वाक्य (b) सरल वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) सामान्य वाक्य

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- 4×1=4

(i) 'सुखदु:ख' शब्द किस समास का उदाहरण है? **1**
(a) द्वंद्व समास (b) तत्पुरुष समास
(c) बहुवीहि समास (d) अव्ययीभाव समास

(ii) 'रक्तकमल' शब्द में समास है **1**
(a) अव्ययीभाव समास (b) कर्मधारय समास
(c) द्वंद्व समास (d) बहुव्रीहि समास

(iii) निम्नलिखित मे 'जलद-यान' का उपयुक्त समान-विग्रह कौन-सा है? **1**
(a) जलद और यान (b) जलद रूपी यान
(c) जलद सम यान (d) जलद अथवा यान

(iv) निम्नलिखित शब्दों में बहुव्रीहि समास का सही उदाहरण कौन-सा है? **1**
(a) पृष्ठभूमि (b) दृगसुमन
(c) दशानन (d) आत्मत्राण

(v) 'युगवाणी' समस्त पद का सही समास-विग्रह और भेद किस विकल्प में है? **1**
(a) युग रूप वाणी - कर्मधारय समास (b) युग और वाणी - कर्मधारय समास
(c) युग की वाणी - तत्पुरुष समास (d) युग समान वाणी - तत्पुरुष समास

6. 'मुहावरों पर आधारित निम्नलिखित छः प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 4×1=4

(i) 'चक्कर खाना' मुहावरे का उपयुक्त अर्थ है—
(a) बेहोश होना (b) गोल घूमना
(c) भ्रमित होना (d) भ्रमण करना

(ii) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: **1**
(i) सजग - जागरुक होना
(ii) रंग दिखाना - प्रभाव दिखाना
(iii) दिमाग होना - बुद्धिमान होना
(iv) खून जलाना - तिरस्कार करना
उपर्युक्त युग्मों मे से कौन-से युग्म सही सुमेलित हैं?
(a) (I) और (II) (b) (III) और (IV)
(c) (I) और (III) (d) (II) और (IV)

(iii) 'बहुत खुश होना'- अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा कौन-सा है? **1**
(a) हाथ-पाँव फूल जाना (b) फूलकर कुप्पा हो जाना
(c) सातवें आसमान पर होना (d) फूटी आँख न सुहाना

(iv) 'बड़े भाई साहब ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते कि मेरी ..... जाती है।' **1**
रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-
(a) तूती बोलना (b) खून खौलना
(c) हिम्मत टूटना (d) दिल पसीजना

(v) "दबदबा होना" - अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा लिखिए- **1**
(a) हेकड़ी जताना (b) खाल खींचना
(c) चमड़ी उधेड़ना (d) तूती बोलना

(vi) 'कक्षा में प्रथम स्थान पाने के लिए उसने ..... दिया।' **1**
रिक्त स्थान की पूर्ति निम्नलिखित में से उपयुक्त मुहावरे से कीजिए-
(a) नाकों चने चबाना (b) अपना रंग दिखाना
(c) ओखली में सिर देना (d) रात-दिन एक करना

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **5×1=5**

साँस थमती गई, नब्ज़ ज़मती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) 'साँस थमती गई, नब्ज़ ज़मती गई' पंक्ति के संदर्भ में सैनिक की विशेषता को दर्शाने वाला सही विकल्प है- **1**

(a) दृढ़ता और कर्त्तव्य परायणता **(b)** साहस और निडरता
(c) वीरता और निडरता **(d)** उदारता और भावुकता

(ii) 'हिमालय' किसका प्रतीक है? **1**

(a) पर्वतों के राजा का **(b)** पर्वत शृंखला का
(c) युद्ध के स्थल का **(d)** देश के मान का

(iii) 'कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं' में 'हमारे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? **1**

(a) देश की रक्षा हेतु कुर्बान होते सैनिकों के लिए **(b)** देश की रक्षा हेतु घायल होते सैनिकों के लिए
(c) देश की सीमाओं पर पहरा देते सैनिकों के लिए **(d)** देश के पर्वतीय हिस्सों में तैनात सैनिकों के लिए

(iv) निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए- **1**

(क) सैनिक घायल अवस्था में भी अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करने से पीछे नहीं हटते।
(ख) सैनिक युद्ध के लिए जाते समय अपने सभी उत्तरदायित्व किसी और को सौंप जाते हैं।
(ग) सैनिक देश और देशवासियों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगा देते हैं।
(घ) सभी सैनिक मानसिक और शारीरिक रूप से मज़बूत होने के कारण ही अहंकारी होते हैं।

उपर्युक्त कथनों के लिए काव्यांश से मेल खाते हुए उचित विकल्प चुनकर लिखिए:

(a) (क) और (ख) **(b)** (क) और (ग)
(c) (क), (ख) और (ग) **(d)** (क), (ग) और (घ)

(v) काव्यांश में देशवासियों से क्या अपेक्षा की गई है? **1**

(a) देश के विकास की **(b)** देश के विस्तार की
(c) देश की रक्षा की **(d)** देश की संपन्नता की

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प चुनकर लिखिए: **2 × 1 = 2**

(i) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन (A) - तोप अत्याचारी सत्ता का प्रतीक है।

कारण (R) - तोप जैसी वस्तुओं को सजाकर रखना चाहिए।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं। **(b)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं।
(c) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) गलत हैं। **(d)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण **(R)** सही है।

(ii) 'आत्मत्राण' कविता में कवि अपने व्यथित चित्त के लिए ईश्वर से क्या माँगता है? **1**

(a) दु:ख का सामना करने हेतु सामर्थ्य **(b)** दु:ख का सामना करने हेतु सांत्वना
(c) दु:ख का सामना करने हेतु करुणा **(d)** दु:ख का सामना करने हेतु वंचना

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए: **5×1=5**

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँववालों को नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक़्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी।

तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

(i) गाँव के लोग ततांँरा को क्यो पसंद करते थे? **1**

(a) वह सुंदर और शक्तिशाली था।

(b) वह नेक और मददगार व्यक्ति था।

(c) वह बेहद शांत और सभ्य व्यक्ति था।

(d) वह सुंदर, बलिष्ठ और भोला व्यक्ति था।

(ii) दूसरे गाँव के लोग भी पर्व-त्योहारों के समय ततांँरा को क्यों आमंत्रित करते थे? **1**

(a) उसके आकर्षक व्यक्तित्व के कारण **(b)** उसके साहसिक कारनामों के कारण

(c) उसके त्याग और सेवाभाव के कारण **(d)** उसकी विलक्षण तलवार के कारण

(iii) ततांँरा की तलवार लोगों के बीच एक विलक्षण रहस्य क्यों थी? **1**

(a) क्योंकि ततांँरा उसे कभी अपने से अलग नहीं करता था।

(b) क्योंकि ततांँरा की तलवार लकड़ी की बनी हुई थी।

(c) क्योंकि ततांँरा उसका प्रयोग दूसरों के सामने नहीं करता था।

(d) क्योंकि ततांँरा ही अद्‌भुत, साहसिक कारनामें किया करता था।

(iv) पारंपरिक पोशाक से क्या अभिप्राय है? **1**

(a) गाँव के सभी लोगों द्वारा पहने जाने वाली पोशाक

(b) गाँव के युवाओं द्वारा पहने जाने वाली पोशाक

(c) वो पोशाक जो किसी प्रदेश विशेष में सदियों से पहनी जाती हो।

(d) वो पोशाक जो किसी विशेष अवसर पर पहनी जाती हो।

(v) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए- **1**

कथन (A) – ततांँरा समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था।

कारण (R) – वह एक सुंदर और शक्तिशाली युवक था।

(a) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों गलत हैं।

(b) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण **(R)** सही है।

(c) कथन (A) सही है लेकिन कारण **(R)** उसकी गलत व्याख्या करता है।

(d) कथन (A) तथा कारण **(R)** दोनों सही हैं तथा कारण **(R)** कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

10. पठित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **2×1=2**

(i) वर्तमान समाज में मौजूद शाश्वत मूल्य किसकी देन हैं? (गिन्नी का सोना) **1**

(a) व्यवहारवादी व्यक्तियों की **(b)** आदर्शवादी व्यक्तियों की

(c) प्रैक्टिकल आइडियालिस्टों की **(d)** स्वतंत्रता सेनानियों की

(ii) उत्कृष्ट होते हए भी 'तीसरी कसम' फ़िल्म सिनेमाघरों में क्यो नहीं चली? **1**

(a) फ़िल्म की संवेदना का प्रचार न होने के कारण

(b) अच्छे गीतों के अभाव के कारण

(c) फ़िल्म में कमज़ोर अभिनय के कारण

(d) फ़िल्म की कमज़ोर पटकथा के कारण

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- **2×3=6**

(क) बढ़ती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किए गए मानवीय क्रियाकलापों ने प्रकृति को नकारात्मक रूप में प्रभावित कर उसे असंतुलित किया है। प्रकृति के इस असंतुलन का मानवीय जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है? 'अब कहाँ दूसरे के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

(ख) 'तताँरा-वामीरो कथा' के अनुसार गाँव वाले तताँरा के सदाचारी व्यक्तित्व से परिचित और प्रभावित थे फिर भी वामीरो के मामले में उन्होंने उसका साथ क्यों नहीं दिया?

(ग) 'बड़े भाई साहब' कहानी में आपने पढ़ा कि छोटा भाई कक्षा में अव्वल दर्ज़े से पास हो रहा था और बड़े भाई साहब असफ़ल, फिर भी वह बड़े भाई की नज़रों से बचकर अपने खेल संबंधी शौक पूरे करता था। इसके पीछे क्या कारण रहे होंगे?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- **2×3=6**

(क) 'मीराबाई' रचित 'द्वितीय पद' के अनुसार अपने आराध्य को पाने के लिए मीरा क्या-क्या करना चाहती है और क्यों?

(ख) 'मनुष्यता' कविता में कवि ने कैसे जीवन को व्यर्थ बताया है, और क्यों?

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि को ऐसा क्यों लगता है कि जैसे अचानक पर्वत पंख लगाकर उड़ गया हो?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- **2×3=4**

(क) "हरिहर काका कहानी पारिवारिक जीवन में घर कर चुकी स्वार्थपरता और हिंसा-प्रवृत्ति को बेनकाब करती है।' तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

(ख) "वर्तमान में विद्यालयों में बढ़ती हुई अनुशासनहीनता को देखते हुए मास्टर प्रीतमचंद जैसे अध्यापकों की आवश्यकता है।" इस कथन से सहमति या असहमति के संबंध में अपने तर्कसम्मत विचार लिखिए।

(ग) टोपी शुक्ला अपनी दादी को नापसंद क्यों करता था? पाठ के आधार पर लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- **1×5=5**

(क) स्वदेशी अपनाओ

संकेत बिंदु: क्या, आवश्यकता क्यों?, देश की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव, सुझाव

(ख) सोशल मीडिया का मायाजाल और युवा

संकेत बिंदु: सोशल मीडिया क्या?, युवाओं पर प्रभाव, मायाजाल कैसे, बचाव हेतु सुझाव

(ग) लड़का-लड़की एकसमान

संकेत बिंदु: इस सोच की आवश्यकता क्यों?, लडकियों को बढ़ावा कैसे?, देश-समाज पर प्रभाव, सुझाव

15. (क) आप अर्णव/अरनी हैं और क.ख.ग. नगर के/की निवासी हैं। आपके क्षेत्र के बाज़ारों में प्रतिबंधित होने के बावजूद प्लास्टिक थैलियों का उपयोग धड़ल्ले से हो रहा है। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए नगर निगम अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। **1×5=5**

अथवा

(ख) आप भुवन गुलेरिया/भावना गुलेरिया हैं और अ.ब.स. नगर में रहते/रहती हैं। आपके क्षेत्र के पार्क को लोगों ने सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन का केन्द्र बना दिया है जिससे वहाँ के निवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या की ओर संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए 'जागरूक' समाचार-पत्र, मुंबई के संपादक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए- **1×4=4**

(क) आप मोहन चटर्जी/मोहिनी चटर्जी हैं और सर्व शिक्षा विद्यालय के विद्यार्थी परिषद् के/की अध्यक्ष/अध्यक्षा हैं। अपने विद्यालय में आयोजित होने वाली साइबर-सुरक्षा कार्यशाला संबंधी जानकारी विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

अथवा

(ख) आप निवासी कल्याण संघ के/की सचिव अरुण पटनायक/अरुणा पटनायक हैं। आपकी सोसायटी में शास्त्रीय नृत्य-संगीत की कक्षाएँ शुरू होने वाली हैं। इन कक्षाओं में भाग लेने के इच्छुक लोगों के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए- **1×3=3**

(क) डेंगू- मलेरिया के प्रकोप से बचाव हेतु लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(ख) सोलर पंखे बनाने वाली संस्था सूर्य-शक्ति के प्रचार-प्रसार के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

18. (क) 'जहाँ चाह, वहाँ राह' शीर्षक पर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **1×5=5**

अथवा

(ख) आप धनुष सांगवान/धनुश्री सांगवान हैं। आपने ऑनलाइन लैपटॉप खरीदा है परंतु खरीदने के एक महीने के भीतर ही उसमें खराबी आ गई है। इस बात की जानकारी देते हुए तथा उत्पादन (लैपटॉप) को बदलने के आग्रह करते हुए कंपनी के ई-मेल पते पर ई-मेल लिखिए।

Outside Delhi Set-II **4/6/2**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-I में हैं।

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

4. 'रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद' आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए- **4×1=4**

(i) 'जस उसका हाथ उठता ही रहा तो एक दिन मास्टर साहब ने उसे टोक दिया।' **1**
रचना के आधार पर उपर्युक्त का वाक्य भेद बताइए।

(a) सरल वाक्य **(b)** संयुक्त वाक्य
(c) मिश्र वाक्य **(d)** विधानवाचक वाक्य

(ii) 'चार बजकर चौबीस मिनट पर सुभाष बाबू जुलूस लेकर आए।' **1**
इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरित वाक्य कौन-सा है?

(a) चार बजकर चौबीस मिनट हुए और सुभाष बाबू जुलूस लेकर आ गए।
(b) चार बजकर चौबीस मिनट होते ही सुभाष बाबू जुलूस लेकर आए।
(c) जब चार बजकर चौबीस मिनट हुए तब सुभाष जुलूस लेकर आए।
(d) चार बजकर चौबीस मिनट हो गए थे इसलिए सुभाष बाबू जुलूस लेकर आए।

(iii) निम्नलिखित कथनों में सही कथन है- **1**

(a) संयुक्त वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य के साथ आश्रित उपवाक्य होते हैं।
(b) संयुक्त वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।
(c) मिश्र वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।
(d) सरल वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य का उदाहरण नहीं है- **1**

(a) तुमने तो अभी केवल एक दर्ज़ा पास किया है। **(b)** बटेर केवल एक ही बार हाथ लग सकती है।
(c) घंटे दो घंटे बाद निराशा के बादल फट जाते। **(d)** जैसा तज़ुर्बा उन्हें है उसकी बराबरी नहीं हो सकती।

(v) "हरिहर काका के प्रति मेरी आसक्ति के अनेक व्यावहारिक और वैचारिक कारण हैं।" **1**
रचना की दृष्टि से वाक्य का यह कौन-सा भेद है?

(a) मिश्र वाक्य **(b)** सरल वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य **(d)** सामान्य वाक्य

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- **4×1=4**

(i) 'फलानुसार' शब्द किस समास का उदाहरण है? **1**

(a) द्वंद्व समास **(b)** तत्पुरुष समास
(c) बहुव्रीहि समास **(d)** अव्ययीभाव समास

(ii) किस समास में पूर्व पद प्रधान होता है? **1**

(a) अव्ययीभाव समास **(b)** तत्पुरुष समास
(c) द्वंद्व समास **(d)** कर्मधारय समास

(iii) 'स्वर्णकिरण' समस्त पद का सही समास-विग्रह है- **1**

(a) स्वर्ण और किरण **(b)** स्वर्ण या किरण
(c) सोने की किरण **(d)** स्वर्ण सम किरण

(iv) निम्नलिखित में बहुव्रीहि समास का सही उदाहरण है- **1**

(a) फलानुसार **(b)** लंबोदर
(c) भाग्यहीन **(d)** मदांध

(v) नीचे लिखे युग्मों में 'मनोबल' का सही समास-विग्रह और भेद किस युग्म में है? **1**

(a) मन के लिए बल - तत्पुरुष समास **(b)** मन का बल - तत्पुरुष समास
(c) मन और बल - द्वंद्व समास **(d)** मन ही बल - तत्पुरुष समास

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- **2×3=6**

(क) 'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ में ऐसे अनेक लोगों का उल्लेख है, जो जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील थे। आपकों उनमें से सबसे अच्छा कौन लगा? कारण सहित लिखिए।

(ख) तताँरा-वामीरो कथा के आधार पर लिखिए कि आप कैसे कह सकते हैं कि तताँरा की तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'बड़े भाई साहब' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि तात्कालिक शिक्षा व्यवस्था में बड़े भाई साहब को क्या-क्या कमियाँ दिखाई देती थीं?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- **2×3=6**

(क) अपने किन हितों को पूरा करने के लिए मीरा कृष्ण की चाकरी करना चाहती थी? 'पद' कविता के आधार पर लिखिए।

(ख) 'मानव जीवन का सबसे बड़ा भय मृत्यु ही है, फिर भी 'मनुष्यता' कविता में कवि ने मृत्यु से भयभीत न होने की बात क्यों कही है?

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर पर्वतों द्वारा अपने रूप-सौंदर्य को निहारने की कल्पना और कारण को स्पष्ट कीजिए।

16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए- **1×4=4**

(क) आप संगीत महिपाल/संगीता महिपाल हैं और राजकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्र परिषद् के खेल सचिव हैं। अपने विद्यालय में आयोजित होने वाले 'वार्षिक खेल महोत्सव' के संबंध में विवरण सहित एक सूचना लिखिए।

अथवा

(ख) आप निवासी कल्याण संघ के सचिव/श्रेष्ठ सहाय/श्रेष्ठा सहाय हैं। आपकी सोसायटी में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन होने वाला है। शिविर में भाग लेने के इच्छुक लोगों को आमंत्रण देते हुए एक सूचना तैयार कीजिए।

Outside Delhi Set-III **4/6/3**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-I & Set-II में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. 'रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए- **4×1=4**

(i) "जब अगले वर्ष भी उसे नवें दर्ज़े में ही बैठना पड़ा तो वह बिल्कुल हताश हो गया।" **1**

इस वाक्य का रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए।

(a) सरल वाक्य **(b)** संयुक्त वाक्य

(c) मिश्र वाक्य **(d)** विधानवाचक वाक्य

(ii) "हम सभी पंक्ति के पहले और आखिरी विद्यार्थी का ध्यान रखते हैं।" **1**

इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरित वाक्य होगा-

(a) जब हम सब पंक्ति में होते तो पहले और आखिरी विद्यार्थी का ध्यान रखते।

(b) हम सब कतार में होते और पहले और आखिरी विद्यार्थी का ध्यान रखते।

(c) हम सभी पंक्ति में रहते हुए पहले और आखिरी विद्यार्थी का ध्यान रखते।

(d) पहले और आखिरी विद्यार्थी का ध्यान रखते हुए हम सभी पंक्ति में रहते।

(iii) निम्नलिखित कथनों में सही कथन नहीं है- **1**

(a) वाक्य का रूप परिवर्तित करते समय उसका अर्थ परिवर्तित नहीं होना चाहिए।

(b) वाक्य का रूप परिवर्तित करते समय उसका अर्थ भी परिवर्तित होना चाहिए।

(c) सरल वाक्यों में एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय होता है।

(d) संयुक्त वाक्यों में उसके प्रत्येक वाक्य का अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है।

(iv) नीचे लिखे वाक्यों में कौन-सा वाक्य सरल वाक्य नहीं है? 1

(a) फिर छुट्टियाँ बीतने लगतीं तो दिन गिनने लगते
(b) खेल-कूद और तालाब में नहाना भी भूलने लगता।
(c) स्कूल की पिटाई का डर और बढ़ने लगता।
(d) मुझे कॉपियों और किताबों से गंध आने लगती।

(v) "वे हज़ार रुपए पाते हैं और अच्छे से रहते हैं।" 1

(a) सरल वाक्य
(b) मिश्र वाक्य
(c) साधारण वाक्य
(d) संयुक्त वाक्य

6. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 4×1=4

(i) किस समास में पूर्व पद प्रधान होता है? 1

(a) द्विगु समास
(b) द्वंद्व समास
(c) अव्ययीभाव समास
(d) कर्मधारय समास

(ii) 'भाग्यहीन' शब्द किस समास का उदाहरण है? 1

(a) द्वंद्व समास
(b) अव्ययीभाव समास
(c) बहुव्रीहि समास
(d) तत्पुरुष समास

(iii) 'प्रेमकथा' का उपयुक्त समास-विग्रह है 1

(a) प्रेम रूपी कथा
(b) प्रेम और कथा
(c) प्रेम से कथा
(d) प्रेम की कथा

(iv) नीचे लिखे शब्दों में बहुव्रीहि समास का सही उदाहरण है- 1

(a) झंडोत्सव
(b) पुनरावृत्ति
(c) लाल बाज़ार
(d) त्रिलोकनाथ

(v) 'भयाकुल' का सही समास-विग्रह और भेद होगा। 1

(a) भय के लिए आकुल – तत्पुरुष समास
(b) भय का आकुल – तत्पुरुष समास
(c) भय और आकुल – द्वंद्व समास
(d) भय से आकुल – तत्पुरुष समास

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 2×3=6

(क) 'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए कि पहले और अब के संसार में जीवन शैली में क्या अंतर आ गया है?

(ख) पशु पर्व में अपने क्रोध को शांत करने के लिए तताँरा ने क्या किया? उसकी प्रतिक्रिया के पक्ष या विपक्ष में तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

(ग) छोटे भाई के कक्षा में अव्वल आने पर भी बड़े भाई साहब द्वारा उसके तिरस्कार के क्या कारण थे? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- 2×3=6

(क) प्रथम पद में मीरा अपने आराध्य से कैसे और क्या प्रार्थना करती हैं?

(ख) 'मनुष्यता' कविता में भाग्यहीन किसे और क्यों कहा गया है? अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में पर्वतों की दृष्टि किसे कहा गया है? पर्वत अपना प्रतिबिंब कहाँ और क्यों निहार रहे हैं?

17. निम्नलिखित मे से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए- 1×4=4

(क) आप अभय सिंह/अभया सिंह हैं और 'समर्पण' नामक गैर-सरकारी संगठन के अध्यक्ष/की अध्यक्षा हैं। आपका संगठन प्रौढ़ों के लिए नि:शुल्क सायंकालीन कक्षाएँ प्रारंभ करने जा रहा है। इन कक्षाओं में भाग लेने के इच्छुक लोगों के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

अथवा

(ख) आप हर्ष चतुर्वेदी/हर्षा चतुर्वेदी हैं और विकास माध्यमिक विद्यालय के छात्र परिषद् के अध्यक्ष/की अध्यक्षा हैं। विद्यालय में आयोजित होने वाली 'कैरियर परामर्श कार्यशाला' की जानकारी देते हुए एक सूचना तैयार कीजिए।

❑❑❑

उत्तरमाला

Delhi Set-I **4/4/1**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक उत्तर)

1. (i) विकल्प (d) सही है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—बिना गले-सड़े हरे पौधे (फ़सलों अथवा उनके भाग) को जब मिट्टी की जीवांश मात्रा बढ़ाने के लिए खेत में दबाया जाता है। इस क्रिया को हरी खाद देना कहते हैं।

(iv) विकल्प (c) सही है।

(v) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—अनुभवी व्यक्ति का कहना है कि लक्ष्य चुनना ही काफ़ी नहीं होता बल्कि उसे जितनी जल्दी चुना जाए, उतना ही बेहतर है।

2. (i) **विकल्प (a) सही है।**

(ii) विकल्प (b) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (c) सही है।

3. (i) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—वह पदबंध जो अनेक क्रिया पदों से मिलकर बना हो, क्रिया पबदंध कहलाता है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (b) सही है।

(v) विकल्प (b) सही है।

4. (i) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—जिन वाक्यों में दो या दो से अधिक स्वतन्त्र उपवाक्य किसी समुच्चय बोधक अव्यय से जुड़े होते हैं उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।

(ii) विकल्प (b) सही है।

(iii) विकल्प (c) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (a) सही है।

5. (i) विकल्प (a) सही है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—जहाँ प्रथम पद या पूर्व पद प्रधान हो तथा समस्त पद क्रिया विशेषण अव्यय हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

(iii) विकल्प (c) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (a) सही है।

6. (i) विकल्प (c) सही है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

(iii) विकल्प (c) सही है।

(iv) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—"आई.ए.एस. की परीक्षा पास करने के लिए दिन-रात एक करनी पड़ती है तब कहीं जाकर सफ़लता मिलती है।"

(v) विकल्प (d) सही है।

(vi) विकल्प (b) सही है।

7. (i) विकल्प (c) सही है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—जिस व्यक्ति के मन में विरह रूपी सर्प ने घर बसा लिया हो उस व्यक्ति पर 'मंत्र' का कोई प्रभाव दिखाई नहीं देता है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (d) सही है।

8. (i) विकल्प (a) सही है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में पर्वतों की ऊँचाई से गिरने वाले झरने गिरि के यश का गुणगान कर रहे हैं।

9. (i) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—राजकपूर ने एक अच्छे और सच्चे मित्र की हैसियत से शैलेन्द्र को फ़िल्म की असफ़लता के खतरों से आगाह भी किया है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (a) सही है।

(iv) विकल्प (c) सही है।

(v) विकल्प (a) सही है।

10. (i) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'तताँरा- वामीरो-कथा' में पशु-पर्व में तताँरा द्वारा तलवार खींचने का प्रमुख कारण वामीरो का रुदन था।

(ii) विकल्प (a) सही है।

खण्ड–'ब'

(वर्णात्मक उत्तर)

11. (i) हमें पढ़ाई को बोझ के रूप में न लेकर सहज रूप में लेना चाहिए। बोझ के रूप में लेने से परेशानी और बढ़ जाएगी। हमें पुस्तकों से मिलने वाली शिक्षा को रटने के स्थान पर समझने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि समझी हुई बातें लंबे समय तक हमारे दिमाग़ में रहती हैं। हमारे व्यक्तित्व के लिए पढ़ाई जितनी महत्त्वपूर्ण है, उतना ही खेल भी। शिक्षा प्रणाली मे अंग्रेज़ी शिक्षा पर बहुत अधिक बल दिया जाता है। इसके अलावा बालक का विकास नहीं हो पाता। इस शिक्षा में इंग्लैंड का इतिहास पढ़ना ज़रूरी है। वहाँ के बादशाहों का नाम याद रखना आसान नहीं है। इसका कोई लाभ नहीं है तथा बे–सिर–पैर की बातें सिखाई जाती हैं जिनका कोई लाभ नहीं है। छोटे–छोटे विषयों पर व्यापक निबंध लिखने को कहा जाता है इस प्रकार की शिक्षा प्रणाली से बालकों की मौलिकता नष्ट हो जाती है, उनका स्वाभाविक विकास नहीं हो पाता।

(ii) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर अंग्रेज़ सरकार ने कलकत्तावासियों द्वारा मोनुमेंट पार्क में सभा को रोकने के लिए उस स्थान को सुबह से पुलिस ने घेर लिया। श्रद्धानंद पार्क में जब बंगाल प्रांत के विद्यार्थी संघ के मंत्री अविनाश बाबू ने झंडा फहराया तो उनको पकड़ लिया गया तथा दूसरे लोगों को मारपीट कर वहाँ से हटा दिया गया। बहुत–से लोग लाठी से घायल हुए। कोलकाता में भारत की आज़ादी के लिए व्यापक संघर्ष हुआ। कितनों को जेलों में बंद किया गया। वे अपने लक्ष्य के लिए डटे रहे। इस प्रकार कोलकातावासियों ने यह कठिन कार्य करके दिखाया।

(iii) सआदत अली वज़ीर अली का सगा चाचा था। उसकी नज़र अवध की सत्ता पर थी जिसे हथियाने के लिए उसने अंग्रेज़ों का सहयोग लिया। इससे वज़ीर अली के मन में अंग्रेज़ों के प्रति द्वेष भर गया। सआदत अली और अंग्रेज़ों के इस व्यवहार से उसे दूर–दूर भटकना पड़ा। अंग्रेज़ों ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बैठा दिया था। वह अंग्रेज़ों का दोस्त और ऐश पसंद आदमी था। इसलिए वज़ीर अली सआदत अली से नफ़रत करता था।

12. (i) जिस तोप के पास लोग भटकने से भी डरते थे उसी तोप पर आज बच्चे घुड़सवारी करते हैं और उनके उतरते ही चिड़िया अपनी मनपसंद जगह बना लेती हैं। इसके माध्यम से कवि यह दर्शाना चाहता है कि भारतीयों के मन में अब अंग्रेज़ो की तोप के प्रति कोई डर नहीं रह गया है। आतंक या डरा–धमकाकर मनुष्यता को नहीं जीता जा सकता है। वास्तव में, तोप या आक्रमण से किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। कोई भी वस्तु, व्यक्ति आदि कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, एक–न–एक दिन तो उसकी शक्ति निस्तेज हो ही जाती है अर्थात् नश्वर वस्तुएँ, व्यक्ति सदा एक जैसे नहीं रह सकते। समय के परिवर्तन होने पर कितनी भी बड़ी तोप क्यों न हो एक दिन उसका मुँह भी बंद हो जाता है।

(ii) 'घंटे न हेलमेल हाँ, बढ़े ने भिन्नता कभी' मनुष्यता कविता से ली गई इस पंक्ति के माध्यम से कवि जीवन रूपी मार्ग पर आगे बढ़ते समय यह याद रखने के लिए कहता है कि सबको साथ होकर आगे बदना चाहिए। आपस में भिन्नता नहीं बढ़नी चाहिए। सबके एक साथ चलने से जीवन आसान हो जाता हैं बिना किसी आशंका के सावधानीपूर्वक मनुष्य को अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ना चाहिए। इस प्रक्रिया में अन्य लोगों का सहायक बनना भी मनुष्य का महत्त्वपूर्ण विवेक हो सकता है। सबसे बेहतर यह है कि सभी मनुष्य एक–दूसरे को लक्ष्य तक पहुँचाने का माध्यम बन सकें। इसलिए अपनी लक्ष्य प्राप्ति के लिए आपस में एक–दूसरे का सहारा बनकर आगे बढ़ने से प्रेम व सहानुभूति के संबंध बनाने चाहिए जिससे परस्पर शत्रुता एवं भिन्नता दूर हो सके। इससे मनुष्यता को बल मिलता है। यदि हम एक–दूसरे का साथ देंगे तो, हम प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकेंगे।

(iii) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से ये अपेक्षाएँ की हैं कि देश की रक्षा करना केवल सैनिकों का ही दायित्व नहीं है, बल्कि प्रत्येक देशव्यापी का कर्त्तव्य है कि प्रत्येक देशवासी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपना तन–मन–धन लगाकर अपने देश की सेवा करे, देश के विकास में अपना यथा संभव योगदान करें और आवश्यकता पड़ने पर किसी भी तरह का त्याग एवं बलिदान करने के लिए तैयार रहें। कवि की उपरोक्त अपेक्षाओं को अधिकांश संवेदनशील एवं जागरूक नागरिक पूरा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ स्वार्थी एवं असामाजिक तत्त्व अपनी इन ज़िम्मेदारियों से मुँह चुराते हैं। वे अपने हितों को छोड़कर और किसी भी प्रकार की ज़िम्मेदारी को स्वीकार नहीं करते। हमें ऐसे लोगों को समझा–बुझाकर सही मार्ग पर लाने की कोशिश करनी चाहिए जिससे देश के सभी नागरिकों के दिलों में अपने देश के प्रति देशभक्ति की भावना विद्यमान रहे।

13. (i) 'हरिहर काका और टोपी शुक्ला' दोनों ही भरे–पूरे परिवार के थे। हरिहर काका के चार भाई थे। उन्हें छोड़कर सभी का परिवार था। हरिहर काका के दो विवाह हुए, किंतु उनकी दोनों पत्नियाँ लंबे समय तक उनका साथ न दे सकीं और उनकी मृत्यु हो गई है। हरि हर काका नि:संतान

रह गए। वे अपने भाइयों के साथ रहते थे। उनके पास काफ़ी ज़मीन थी। उनकी कोई संतान न होने के कारण उनके भाइयों की दृष्टि उनकी जमीन पर थी। टोपी शुक्ला भी भरे-पूरे परिवार का था। टोपी को अपनों के रूप में अज़ीज दोस्त इफ़्फ़न, उसकी दादी व नौकरानी सीता मिली। टोपी के पिता एक प्रसिद्ध डॉक्टर हैं, घर में किसी चीज़ की कमी नही है, फिर भी वह अपना अकेलापन दूर करने के लिए इफ़्फ़न के घर जाता है, जो वह उसका घनिष्ठ दोस्त है। क्योंकि उसके अकेलेपन को समझने वाला अपने घर में कोई नहीं है। उसे इफ़्फ़न की दादी से गहरा लगाव है, वह उनके पास बैठकर कहानियाँ सुनता है। दादी की मृत्यु होने पर वह अपने को अकेला महसूस करता है। क्योंकि उसे वह दादी माँ जी तरह ही लगती थी।

(ii) 'सपनों के से दिन' पाठ में बच्चों को स्कूल जाना इसलिए अच्छा नहीं लगता था क्योंकि उन्हें कक्षा कार्य व अध्यापक द्वारा सिखाए गए सबक कभी याद नहीं होते थे। स्कूलों के बारे में मेरी राय है कि शारीरिक दंड पर रोक लगाना बहुत आवश्यक कदम है। बच्चों को विद्यालय में शारीरिक दंड से नहीं अपितु मानसिक संस्कार द्वारा अनुशासित करना चाहिए। इसके लिए पुरस्कार, प्रशंसा, निंदा आदि उपाय अधिक ठीक रहते हैं क्योंकि डर से बच्चा कभी भी अपनी समस्या अपने शिक्षक के समक्ष नहीं रख पाता है। उसे सदैव यही भय सताता रहता है कि यदि वह अपने अध्यापक को अपनी समस्या बताएगा तो उसके अध्यापक कहीं उसकी पिटाई न कर दें जिसके कारण वह बच्चा दब्बू किस्म का बन जाता है। इसके स्थान पर यदि उसे स्नेह से समझाया जाएगा तो वह सदैव अनुशासित रहेगा और ठीक से पढ़ाई भी करेगा और वह नियम से रोज़ाना विद्यालय आएगा।

(iii) टोपी और इफ़्फ़न घनिष्ठ मित्र थे। दोनों एक-दूसरे के बिना बिल्कुल अधूरे थे क्योंकि दोनों एक-दूसरे की भावनाओं को बिना कहे समझ लेते थे। यह दोस्ती बचपन में विकसित हुई थी। टोपी तो अपने अज़ीज़ दोस्त इफ़्फन के साथ-साथ उसके परिवार वालों का भी आत्मीय था, विशेष रूप से उसकी दादी का जब वह पूरबी बोली बोलती तो उसे अपनी माँ की भाँति ही दिखाई देतीं। जब टोपी को अकेलापन दूर करने वाले अपने अज़ीज़ दोस्त इफ़्फ़न के जाने का पता चला, तो वह उदास हो गया। इफ़्फ़न के जाने का कारण उसके पिता का मुरादाबाद तबादला होना था। इफ़्फ़न की दादी की मृत्यु का घाव अभी भरा भी नहीं था कि टोपी को इफ़्फ़न से अलग होने का ज़ख्म भी मिल गया। इसी कारण टोपी ने कसम खाई थी कि अब वह ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं करेगा, जिसके पिता का तबादला होता रहता हो।

14. (क) अनुच्छेद लेखन: नाटक मंचन के दौरान जब मैं अपना संवाद भूल गया/गई।

संकेत बिन्दु-मेरी मन:स्थिति, दर्शकों का उत्साह वर्धन, सफ़लतापूर्वक नाटक की समाप्ति।

मुझे विद्यालय में नाटक खेलना बहुत आवश्यक था। क्योंकि विद्यालय में वार्षिकोत्सव में मेरा नाटक था। मुझे मंच पर नाटक करना था। मेरे मित्र भी अपना अभिनय सही-सही कर रहे थे। परन्तु एक मेरी मित्र रीना ऐसी ही थी। मुझे उसके अभिनय पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं था। वह स्वयं अभिनय इसलिए नहीं कर पा रही थी क्योंकि वह खेलते समय गिर गई थी। उसे चोट लगी थी। समय केवल एक सप्ताह का शेष बचा था। मैंने अपने मित्रों को पूर्वाभ्यास के सात दिनों में अच्छी तरह नाटक के पात्रों का अभिनय समझा दिया था। जिसमें रीना, टीना अभिनय कर रहे थे। खैर मंच पर प्रदर्शन का दिन और समय भी आ गया। मेरा दिल तो बहुत ज़ोरों से धड़क रहा था। जैसे ही नाटक शुरू हुआ नाटक करते-करते मैं अपने संवाद को भूल गई और चुप हो गई। उसके बाद सभी दर्शक मुझे ध्यान से देखने लगे। मैं सोचने लगी कि अब क्या होगा? परन्तु मेरे मित्र अपने दिमाग़ से आगे-आगे खुद ही संवाद जोड़ते चले गए और नाटक पूरा कर दिया। सभी दर्शकों ने हम सभी का बहुत ही उत्साहवर्धन किया। मुझे यह सब देखने में बहुत मज़ा आया। इस प्रकार हमारे नाटक की सफ़लतापूर्वक समाप्ति हुई। मैं उस दिन को कभी भूल नहीं सकती।

(ख) वर्षा की पहली फुहार

संकेत बिन्दु-तन-मन की प्रसन्नता, प्रकृति के द्वारा वर्षा का स्वागत, आस-पास का दृश्य।

बरसात के दिन किसी भी अन्य दिन से अलग होते हैं। वे सभी के लिए अलग-अलग महत्त्व रखते हैं। लोगों के पास वर्षा ऋतु के आने का बेसब्री से इतज़ार करने के अलग-अलग कारण होते हैं। आखिरकार, यह सभी के लिए एक राहत की साँस लाती है। मैं परीक्षा देने के डर से सुबह उठी, जिसके लिए मैं बिल्कुल तैयार नहीं थी। मैंने परीक्षा रद्द करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। जैसे ही मैं तैयार हुई तेज़ बारिश होने लगी। मैं तैयार होकर अपने पिता के साथ स्कूल गई, और मेरे आश्चर्य का ठिकाना ही नहीं था। जब हमें पता चला कि उस दिन बारिश के कारण स्कूल बंद था। मैं सातवें आसमान पर थी, अब मुझे परीक्षा उस दिन नहीं देनी थी। मैं अपने पिता के साथ वापस आ गई। घर आकर तुरंत मैंने अपनी स्कूल यूनीफॉर्म बदली और अपने घर के कपड़ों में आ गई फिर मैं अपनी छत पर बारिश की

बूँदों का मज़ा लेने लगी। माँ बार-बार आवाज़ें लगा रही थी, कि बीमार हो जाओगी, लेकिन मैंने एक न सुनी। मुझे बारिश में भीगना बहुत ही अच्छा लगता है। मैंने अपने भाई-बहिनों के साथ बारिश में खूब मज़े किए। हमने कागज़ की नावें भी बनाई।

माँ ने प्याज व आलू के पकौड़े बनाए। हमने गर्मागर्म पकौड़ों का आनंद लिया। यह वास्तव मैं मेरी सबसे यादगार बारिश के दिनों में से एक था।

प्रकृति सुंदर है और इसके कई रूप और दृश्य हैं जिनमें से प्रत्येक एक-दूसरे से अलग होते हैं और उनकी सुंदरता में भिन्नता है। बारिश उनमें से एक है जो दु:ख या शोकपूर्ण समय में खुशी और कृतज्ञता की वास्तविक भावना देती है। जगह-जगह वर्षा से तालाब व सड़कों पर पानी भरा दिखाई दे रहा था। बच्चे वर्षा का आनंद ले रहे थे। प्रकृति का दृश्य बहुत ही लुभावना था।

(ग) समाचार-पत्रों का कोई विकल्प नहीं

संकेत-बिन्दु- जानकारी का सस्ता और सुलभ साधन, समाचार-पत्रों के प्रकार, समाचार-पत्रों के लाभ। वर्तमानकाल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई घटना घटित हो तो उसके अगले दिन हमारे पास उसकी खबर आ जाती है। आज के समय में बिना समाचार-पत्र के जीवन की कल्पना करना भी काफ़ी कठिन है। समाचार-पत्र, राजनितिज्ञों, सामाजिक मुद्दों, पूर्वाग्रहों, खेल अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, विज्ञान, शिक्षा, व्यवसाय, अभिनेता, मेलों, त्योहारों, तकनीकों आदि की जानकारी हमें देता है। यह हमारा ज्ञान कौशल और तकनीकी जागरूकता को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है। समाचार-पत्र जानकारी का सस्ता और सुलभ साधन है। समाचार पत्र कई प्रकार के होते है- प्रादेशिक या क्षेत्रीय समाचार, राष्ट्रीय समाचार, अंतर्राष्ट्रीय समाचार विशिष्ट समाचार, व्यापी समाचार, डायरी समाचार, सनसनीखेज समाचार। समाचार-पत्र न केवल आस-पास के क्षेत्र के बारे में जानकारी देता है, बल्कि शब्दावली में सुधार सामान्य जानकारी को उन्नत करने और मनोरंजन प्रदान करने सहित कई लाभ प्रदान करता है। समाचार-पत्र लोगों की आवश्यकताओं और ज़रूरतों के अनुसार लोगों के एक से अधिक उद्देश्यों की निगरानी करता है। समाचार-पत्र बहुत ही प्रभावी व शक्तिशाली होते हैं। अपेक्षाकृत अन्य की तुलना में इसकी कीमत बहुत कम होती है यह हममें रिश्ते की स्थिति को विकसित करता है, हमारे प्रभाव में सुधार करता है।

15. (क) पत्र लेखन

सेवा में

संपादक

नवभारत टाइम्स

नई दिल्ली

दिनाक.....

विषय- नि:शुल्क शिक्षण की व्यवस्था हेतु पत्र

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र का नियमित पाठक हूँ। मैं आपको पत्र द्वारा अवगत कराना चाहता हूँ कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रवेश हेतु जो आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर छात्र हैं, उनके लिए नि:शुल्क शिक्षण की व्यवस्था की गई है जिससे कई प्रभावशाली छात्रों को नौकरियों में अवसर मिलेंगे। मैं प्रदेश सरकार को इस कार्य के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। ऐसी प्रदेश सरकार को सम्मानित करना चाहिए। जो अपनी कर्त्तव्य निष्ठा व परोपकार निभाते है।

सधन्यवाद

भवदीय

मुदित कुमार

6/387, तिलक नगर अलीगढ.

अथवा

(ख) सेवा में

श्रीमान प्रधानाचार्य जी,

सेन्ट कॉलम बस विद्यालय

कमला नगर,

आगरा।

विषय: सांस्कृतिक गतिविधियों के अभ्यास हेतु अनुमति (प्रार्थना सभा के दौरान)

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की दसवीं 'बी' कक्षा की अध्यापिका हूँ। आगामी सप्ताह में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' पर सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन हो रहा है। इन गतिविधियों में मेरे विद्यालय से अनेक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। समयाभाव के कारण इन प्रतिभागियों की तैयारी उचित रूप से नहीं हो पाई है। महोदय, कला सचिव होने के कारण में आपसे प्रार्थना सभा के दौरान अभ्यास करने की अनुमति चाहती हूँ। मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ कि सभी प्रतिभागी अनुशासित रहेंगे तथा गतिविधियों में उत्तम प्रदर्शन भी करेंगे। इसके लिए हम सदैव आपके आभारी रहेंगे।

धन्यवाद

सोनम

(सांस्कृतिक कला सचिव)

कक्षा - 10 'ब'

दिनांक - 00/00/00

16. (क) **सूचना लेखन**

अग्रदूत सोसायटी, आदर्श नगर दिल्ली

सूचना

xx/xx/xxxx

दिनाक - 20 मार्च, 20xx

नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर सूचना

सोसायटी के सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि आगामी माह के अंतिम समय में निदाक 25/4/xx से 30/4/xx तक सोसायटी में नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आँख, नाक और कान के विशेषज्ञ चिकित्सक आएँगे। साथ ही नि:शुल्क दवाइयाँ भी वितरित की जाएँगी।

सभी इच्छुक लाभार्थी शिविर में आकर जाँच करा सकते हैं। इस आयोजन का समय सुबह 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक रहेगा।

सचिव

(ख) **अथवा**

एस. एस. कॉन्वेंट विद्यालय

कमला नगर आगरा, उ.प्र.

सूचना

दिनांक ..... खोया-पाया के संदर्भ में

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय मैदान में दसवीं कक्षा की अर्पिता का (मेरा) भोजनावकाश के दौरान ब्लेज़र (कोट) कहीं छूट गया है। उस ब्लेजर में मेरी लाल रंग की एक सोनाटा की घड़ी रखी हुई है तथा आधार कार्ड भी रखा हुआ है जो मेरी आगामी परीक्षा के लिए अत्यन्त आवश्यक है। जिस किसी को मिले तो खोया-पाया विभाग में शर्मा सर को दे दें।

आज्ञा से

अर्पिता

कक्षा दसवीं

17. (क) **विज्ञापन लेखन**

घर के बने अचार

स्वाद ऐसा कि बार-बार खाने को मन ललचाए

- एकदम घर में बना स्वादिष्ट और मसालेदार
- एक बार खाओगे तो बार-बार लोगे
- एकदम प्राकृतिक और घरेलू देशी तरीके से तैयार किया गया अचार जिसमें घर के बने हाथ से कुटे मसालों का प्रयोग किया गया है।
- एक बार आजमा कर तो देखिए
- आम, नीबू, मिर्च, करेला, कटहल के अचार तथा तरह-तरह के आचार
- दाम एकदम किफ़ायती 100 ग्राम से लेकर 1 किलो तक के पैकेटों में उपलब्ध।

बहुत ही कम दामों पर माँ के हाथों का स्वाद उपलब्ध

कुमकुम अचार वाले

फ्री होम डिलीवरी के लिए नीचे दिए नंबर पर संपर्क करें....

952XXXXXXX

(नोट-हम आपके ऑर्डर पर आपका मनचाहा अचार तैयार करके देते हैं)

(ख) **अथवा**

वसन्त मेला

नि:शुल्क खाने की व्यवस्था

प्रिय छात्रों,

आप सभी को सूचित किया जाता है कि डी. ए.वी. पब्लिक स्कूल शिमला में वसन्त मेले का आयोजन 3-4-20XX से किया जा रहा है। इस आयोजन में सरस्वती पूजा व सांस्कृतिक कार्यक्रम व दुकानों की व्यवस्था की गई है। इस मेले में सभी स्कूल के बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले सकते हैं। आप सभी वसन्त मेले का आनंद उठाएँ।

माँ सरस्वती की पूजा सुबह 7 बजे

विद्यालय सचिव,

डी. ए.वी. पब्लिक स्कूल शिमला

18. (क) लघुकथा लेखन

रमेश एक शहर में रहता था। उसका परिवार बहुत ही खुशहाल था। परिवार में एक बेटा व एक बेटी थी। बेटे का नाम रोहन व बेटी का नाम रीता था। रमेश पुत्री से अधिक पुत्र को प्यार करता था। उसे यह मालूम था कि वह उसका सहारा बनेगा। रोहन कक्षा छठी का छात्र था। पिता ने उसे लाड़-प्यार में बिगाड़ दिया। रोहन के जन्मदिन पर पिता ने स्मार्टफ़ोन उपहार में दिया। रोहन का मन पढ़ाई से दूर हो गया। वह दिन भर मोबाइल पर लगा रहता। न ही स्कूल का काम करता न ही पढ़ाई करता। वह पढ़ाई में कक्षा के विद्यार्थियों से पिछड़ गया। और परीक्षा में फ़ेल हो गया। रीता पढ़ाई में बहुत अच्छी थी। समय से अपना गृहकार्य तथा पढ़ाई करती थी। वह कक्षा पाँच में प्रथम श्रेणी में पास हुई। यह देखकर रमेश को बहुत ही दु:ख हुआ। परन्तु अब क्या करता। क्योंकि मोबाइल तो पुत्र को उसने ही दिलाया था। उसे अपनी गलती का एहसास हुआ। उस दिन से वह रीता को अधिक प्यार करने लगा। एक दिन उसने रोहन की बहुत पिटाई की और उससे मोबाइल छीन लिया तथा अपने पुत्र, को पास बिठाकर समझाया। कुछ ही दिनों में रोहन संभल गया, और पढ़ाई पर ध्यान देने लगा तथा वह परिश्रमी छात्र हो गया। इसलिए हमें बच्चों की ज़िद पूरी नहीं करनी चाहिए। उन्हें उपहार भी सोच समझकर दिलाना चाहिए।

(ख) ई-मेल लेखन

To, Puneetmishra@gmail.com

From: cbpsschool@gmail.com

CC: ----------

BCC:---------

प्रिय अभिभावक,

जनपद में अत्यधिक बारिश होने के कारण जल भराव व ओलावृष्टि की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए ज़िला प्रशासन अधिकारी महोदय के आदेशानुसार स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। मौसम विभाग की ओर से प्रदेश के कई भागों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। डी.एम. ने स्कूलों को दो दिन दिनाँक 10 अक्टूबर 20XX से 11 अक्टूबर 20XX तक कक्षा नर्सरी से कक्षा 12 तक के स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है।

आज्ञा से

प्रधानाचार्य

Delhi Set-II **4/4/2**

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक उत्तर)

3. (i) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—यह पदबंध मूलत: क्रिया का विशेषण रूप होने के कारण प्राय: क्रिया से पहले आता है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (c) सही है।

(iv) विकल्प (a) सही है।

(v) विकल्प (b) सही है।

4. (i) विकल्प (b) सही है।

(ii) विकल्प (b) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्य हों, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।

(v) विकल्प (a) सही है।

5. **(i) विकल्प (a) सही है।**

(ii) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—जहाँ प्रथम पद या पूर्व पद प्रधान हो तथा समस्त क्रिया पद विशेषण अव्यय हो उसे अव्ययी भाव समास कहते हैं।

(iii) विकल्प (d) सही है।

(iv) विकल्प (b) सही है।

(v) विकल्प (c) सही है।

6. **(i) विकल्प (b) सही है।**

(ii) विकल्प (b) सही है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

(iv) विकल्प (a) सही है।

(v) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'दु:खी होना' अर्थात् 'आँखें भर आना' अर्थ को व्यंजित करने वाला मुहावरा है।

(vi) विकल्प (d) सही है।

14. **(क) पत्रलेखन**

बैंक में खाता खुलवाने हेतु प्रबंधक को पत्र

सेवा में,
प्रबंधक
पंजाब नेशनल बैंक
आगरा
दिनाक 20 मार्च, 20xx

विषय- बचत खाता खुलवाने के लिए अपेक्षित दस्तावेज़ों की जानकारी हेतु पत्र

महोदय,

निवेदन है कि मेरा नाम देवांशी है। मैं आपके बैंक में बचत खाता खुलवाना चाहती हूँ। चालू खाता खोलने के लिए किन-किन मूल दस्तावेजों को प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है और प्रमाणित सत्य प्रतियाँ बैंक के अभिलेख हेतु प्रस्तुत की जानी हैं। इसकी जानकारी अपने किसी बैंक सहकर्मी से दिलावाने की कृपा करें जिससे मैं आपके बैंक में बचत खाता खुलवा सकूँ। मैं आपकी आभारी रहूँगी।

आपकी अति कृपा होगी।

सधन्यवाद
भवदीय
देवांशी

अथवा

(ख)

सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक जागरण
आगरा, उत्तर प्रदेश।

विषय-नि:शुल्क शिक्षण की सराहना हेतु पत्र

महोदय,

मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र दैनिक जागरण का नियमित पाठक हूँ। मुझे आपके समाचार पत्र द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले प्रत्येक लेख, समाचार तथा अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ पड़ना अच्छा लगता है। मैं आपको पत्र के माध्यम से यह अवगत कराना चाहता हूँ कि प्रदेश सरकार द्वारा तकनीकी संस्थानों में प्रवेश हेतु आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए नि:शुल्क शिक्षण की व्यवस्था की गई है। इससे कई प्रभावशाली छात्र नौकरियाँ पाकर अपने परिवार को आर्थिक मदद दे सकेंगे। इस कार्य के लिए मैं प्रदेश सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ। ऐसी प्रदेश सरकार के प्रति मैं धन्यवाद ज्ञापन तथा कृतज्ञता प्रकट करना चाहता हूँ जो अपनी ज़िम्मेदारी को बखूबी निभाती है।

सधन्यवाद
भवदीय
अंकित
61/3 कमला नगर, आगरा।
दिनांक: 28/XX/20XX

17. **(क)** **विज्ञापन लेखन**

(ख) **अथवा**

बिकाऊ है

सभी फर्नीचर ब्रांडेड है।

पुराना शीशम की लकड़ी से बना टिकाऊ, डिज़ाइनर किफ़ायती फर्नीचर जैसे-कुर्सियाँ, मेज़, डबल बैड, ड्रेसिंग टेबल इत्यादि बिकाऊ हैं। जो भी व्यक्ति फर्नीचर को लेने के इच्छुक हों, वही संपर्क करें।

मकान न. 2/XXX
शाहगंज आगरा
मोबाइल न. 86329438XX
दूरभाष न. 056&23023170XX

सभी फर्नीचर बहुत ही कम शुल्क पर उपलब्ध।

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक उत्तर)

3. (i) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—वह पदबंध जो अनेक क्रिया-पदों से मिलकर बना हो, क्रिया पदबंध कहलाता है।

(ii) विकल्प (a) सही है।
(iii) विकल्प (d) सही है।
(iv) विकल्प (d) सही है।
(v) विकल्प (d) सही है।

4. (i) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—जिस वाक्य में दो या दो से अधिक वाक्य किसी समुच्चयबोधक द्वारा जोड़े गए हों, उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।

(ii) विकल्प (b) सही है।
(iii) विकल्प (d) सही है।
(iv) विकल्प (d) सही है।
(v) विकल्प (a) सही है।

5. (i) विकल्प (b) सही है।
(ii) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—जिस समास में प्रथम पद अव्यय होता है और जिसका अर्थ प्रधान होता है उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

(iii) विकल्प (b) सही है।
(iv) विकल्प (b) सही है।
(v) विकल्प (a) सही है।

6. (i) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'राह न सूझना' अर्थात् उपाय समझ में न आना होता है।

(ii) विकल्प (a) सही है।
(iii) विकल्प (c) सही है।
(iv) विकल्प (d) सही है।
(v) विकल्प (a) सही है।
(vi) विकल्प (d) सही है।

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक उत्तर)

16. (क) **सूचना लेखन**

कृष्णा सोसायटी आदर्श नगर, दिल्ली

सूचना

दिनांक 2 जनवरी, 20xx

गणतंत्र दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन हेतु सूचना

सोसायटी के सभी लोगों (निवासियों को) सूचित किया जाता है कि 26 जनवरी 'गणतंत्र दिवस' पर सुबह 11:00 बजे हमारी सोसायटी के पार्क में ध्वजारोहरण और खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। समय का ध्यान रखते हुए सभी लोग पार्क में उपस्थित हों।

सभी इच्छुक बच्चे इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इस आयोजन में भाग लेने की अंतिम तिथि 20, जनवरी 20xx है।

अभय चौधरी
सोसायटी सचिव

(ख) अथवा

चौधरी बीरी सिंह स्कूल

दयालबाग़ आगरा

सूचना

दिनांक 01 नवम्बर, 20xx

सभी छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि बाल दिनांक 14/11/20xx बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय में एक विज्ञान-मेला आयोजित किया जा रहा है जिसमें छात्रों द्वारा तैयार मॉडल और परियोजना कार्य प्रदर्शित किए जाएँगे। सर्वश्रेष्ठ मॉडल और परियोजना कार्य को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार भी दिया जाएगा। सभी विद्यार्थी विद्यालय में समय से उपस्थित हों।

देविका हैडगर्ल

17. (क) विज्ञापन लेखन

सही हालत में उपलब्ध

कार बिकाऊ है।

सिर्फ 50,000/- रूपए में

सिल्वर रंग की स्विफ्ट कार मॉडल 2016 मात्र 76000 किलोमीटर चली हुई, बहुत अच्छी स्थिति में, दुर्घटना रहित, एकल मालिक, एकल चालक, सरल दस्तावेज़ीकरण के साथ बहुत कम व किफ़ायती दामों में उपलब्ध है।

तुरंत संपर्क करें - 98792244xx

48, जवाहर नगर कॉलोनी, लखनऊ रोड़, कानपुर

अथवा

(ख)

निःशुल्क दन्त जाँच शिविर

25 दिसम्बर, 20xx

रमेश क्लब परिसर में दो दिवसीय नि:शुल्क दंत जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। क्लब परिसर में सभी दाँतों के मरीजों की सफ़लतापूर्वक जाँच की जाएगी।

विभिन्न योग्य व अनुभवी चिकित्सकों द्वारा दाँतों का परीक्षण व उचित परामर्श दिया जाऐगा, साथ ही नि:शुल्क दवाइयों का भी वितरण होगा।

शिविर का दिनांक - 01/01/20xx से 03/01/20xx समय प्रात: 8:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें-

क्लब अधिकारी

रमेश क्लब

दूरभाष - 0000000000

स्वस्थ दाँत स्वस्थ शरीर

पीलापन और बदबू हटाएं

आइए और अपनी समस्या का समाधान पाइए

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक उत्तर)

1. (i) **विकल्प (a) सही है।**

(ii) **विकल्प (a) सही है।**

व्याख्या—आवेग में किए गए क्रोध के समय किसी भी क्रियाविधि पर नियंत्रण न होने से उसके घातक परणिाम अंतत: पश्चाताप का कारण प्रस्तुत करते हैं।

(iii) विकल्प (d) सही है।

(iv) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—क्रोध आने की स्थिति में वस्तुओं को स्वयं की अपेक्षा दूसरों के नज़रिए को देखते हुए क्रोध में संयमता लाई जा सकती है।

(v) विकल्प (d) सही है।

2. (i) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोग अपनी सेहत के प्रति जागरुक होते है इस कारण वे शोर-शराबे वाले माहौल से दूर रहते है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—शोर-प्रेरित बहरेपन की समस्या विकासशील देशों में ज़्यादा है, क्योंकि वहाँ तीव्र औद्योगिकीकरण, अनौपचारिक क्षेत्र के विस्तार और सुरक्षात्मक व शोर-नियंत्रणारोधी उपायों की कमी से लोग चौतरफ़ा शोर-शराबे में दिन बिताने को विवश है।

(iv) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—हमारे आसपास बहुत ज़्यादा शोर ध्वनि प्रदूषण के रूप में जाना जाता है। यह एकाग्रता में कमी, उच्च रक्तचाप, सिरदर्द, तनाव, नींद की गड़बड़ी का कारण बन सकता है तथा स्थायी रूप से हमारी सुनने की शक्ति को भी नुकसान पहुँचा सकता है।

(v) विकल्प (d) सही है।

3. (i) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'उनकी दहकती-भूरी आँखों' में चार पद हैं किन्तु वे मिलकर एक ही पद अर्थात् सर्वनाम पद का कार्य कर रहे हैं।

(ii) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'चार बज कर चौबीस मिनट पर' वाक्य में क्रिया की विशेषता बताने के कारण क्रिया-विशेषण पदबन्ध को प्रयुक्त करता है।

(iii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'वे सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी यश और धन-लिप्सा से कोसों दूर ही रहे।' में के बीच रहते हुए भी क्रिया को दर्शाता हैं इस कारण क्रिसा पदबन्ध है।

(iv) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'क्षितिज चटर्जी का फटा हुआ' में पाँच पद मिलकर विशेषता दर्शाते हैं इस कारण यहाँ विशेषण पदबन्ध होगा।

(v) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—'अंगेज़ों की आँखों में धूल झोंकने वाला वह' यहाँ प्रयुक्त आठ पद मिलकर सर्वनाम को संबोधित करते हैं, इस कारण यहाँ सर्वनाम पदबन्ध है।

4. (i) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'उपरोक्त वाक्य में 'जब डॉ. साहब की जमानत ज़ब्त हुई' प्रधान उपवाक्य है और घर में सन्नाटा छा हुआ' आश्रित उपवाक्य है अत: उपरोक्त वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा एक आश्रित उपवाक्य है। इसलिए यह वाक्य मिश्र वाक्य का उदाहरण होगा।

(ii) विकल्प (a) सही है।

(iii) विकल्प (a) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—वाक्य में मेरे बहत प्रयत्न करने पर भी प्रधान उपवाक्य है और 'पहेली का हल मुझे नहीं मिला' आश्रित उपवाक्य है अत: उपरोक्त वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा एक आश्रित उपवाक्य है इसलिए यह वाक्य मिश्र वाक्य का उदाहरण होगा।

5. (i) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—यहाँ द्वंद्व समास है जिसमें दोनों पद प्रधान होते हैं। दोनों पदों के बीच योजक शब्द का लोप करने के लिए योजक चिह्न लगाया जाता है।

(ii) विकल्प (b) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—'दशानन' शब्द में बहुव्रीहि समास है। 'दशानन' का समास विग्रह होगा -दस हैं' आनन जिसके- रावण'। इसमें 'रावण' के सांकेतिक अर्थ को इंगित किया है। अत: इसमें 'बहुव्रीहि समास' है।

(v) विकल्प (c) सही है।

6. (i) विकल्प (c) सही है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (c) सही है।

(v) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—'दबदबा होना' अर्थात् तूती बोलना होता है। दबदबा किसी भी व्यक्ति के रौब को प्रदर्शित करता है।

(vi) विकल्प (d) सही है।

7. (i) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—हमारे वीर सैनिकों ने देश रक्षा के लिए दिए गए वचन का पालन अपने जीवन के अंतिम क्षण तक किया। युद्ध में घायल इन सैनिकों ने अपने प्राणों की ज़रा भी परवाह नहीं की। उनकी साँसें भले ही रुकने लगीं तथा भयंकर सर्दी के कारण उनकी नब्ज़ चाहे जमती चली गई किंतु किसी भी परिस्थिति में उनके इरादे डगमगाए नहीं।

(ii) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—हिमालय भारत के मान सम्मान का प्रतीक है। भारतीय सैनिकों ने अपने प्राण गवाँ कर देश के मान-सम्मान को सुरक्षित रखा।

(iii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—यहाँ 'हमारे' शब्द वी सैनिकों के लिए आया है। देश की रक्षा में सैनिक अपने प्राणों का बलिदान करके मरते समय

अपने साथियों से कह रहा है कि हमने तो अपने प्राण देकर देश के सम्मान पर आँच नही आने दी।

(iv) विकल्प (b) सही है।

(v) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—देश की रक्षा में लगा सैनिक अपने प्राणों का बलिदान करके मरते समय अपने साथियों से कह रहा है कि हमने तो अपने प्राण देकर भी देश के सम्मान पर आँच नहीं आने दी। देश की रक्षा के लिए हमने बिना संकोच अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। अब तुम्हारी बारी है, साथियों कि जब भी देश पर संकट आए तो तुम भी आवश्यकता पड़ने पर अपने देश की रक्षा के लिये प्राणों को न्योछावर करने में संकोच नही करना।

8. **(i) विकल्प (a) सही है।**

व्याख्या—सत्य कथन- तोप अत्याचारी शासन व्यवस्था का प्रतीक है।

कारण- तोप को सहेज कर इसलिए रखा गया जिसमें हम अंग्रेज़ों के अत्याचारों को भूलें नहीं एवं हमारे शहीदों की याद हमेशा एक सीख बनकर हमें यह याद दिलाती रहे कि हम सावधान रहें जिससे कोई और हम पर राज करने का साहस ना करे।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—'आत्मत्राण' कविता में कवि ने ईश्वर से साहस और आत्मबल माँगा है। कवि अनुनय करता है कि चाहे सब लोग उसे धोखा दें, सब दु:ख उसे घेर लें पर ईश्वर के प्रति उसकी आस्था कम न हो, उसका विश्वास बना रहे। उसका ईश्वर के प्रति विश्वास कभी न डगमगाए। सुखों के आने पर भी ईश्वर को हर क्षण याद करता रहे।

9. **(i) विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या— निकोबार के लोग तताँरा को उसके आत्मीय स्वभाव के कारण पसन्द करते थे। वह नेक, ईमानदार और साहसी था। वह मुसीबत के समय भाग भागकर सबकी मदद करता था।

(ii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—वह सदैव दूसरों की मदद के लिए तैयार रहता था। द्वीपवासियों की सेवा करना वह अपना कर्त्तव्य समझता था। अपने त्यागमयी स्वभाव के कारण वह सभी के आदर का पात्र था। इसी कारण उसे पर्व-त्योहारों में विशेष रूप से बुलाया जाता था।

(iii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—तताँरा अपनी तलवार का दूसरों के सामने उपयोग नहीं करता था। उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

(iv) विकल्प (c) सही है।

(v) विकल्प (c) सही है।

10. **(i) विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—जीवन में आदर्शवादिता का ही अधिक महत्त्व है। अगर व्यावहारिकता को भी आदर्शों के साथ मिला दिया जाए, तो व्यावहारिकता की सार्थकता है। इससे यह स्पष्ट है कि समाज के पास जो आदर्श रूपी शाश्वत मूल्य हैं, वे आदर्शवादी लोगों की ही देन हैं।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—इस फ़िल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने का गणित जानने वालों की समझ से परे थी। उसमें रची-बसी करुणा तराजू पर तौली जा सकने वाली चीज़ नहीं थी। इसीलिए जब 'तीसरी कसम' रिलीज़ हुई तो इसका कोई प्रचार नहीं हुआ और यह सिनेमा घरों में नहीं चल पाई।

11. **(क)** मानव-जाति ने अपनी संकीर्ण मानसिकता के कारण अपनी बुद्धि का प्रयोग अपने व्यक्तिगत हित के लिए किया है। उसने स्वयं को सर्वोपरि समझते हुए सारी धरती पर अपना अधिकार करना चाहा। उसने समुद्र से ज़मीन छीनी, जंगलों का सफ़ाया किया और पशु-पक्षियों को बेघर करके प्रकृति में दीवारें खड़ी की। इसके परिणामस्वरूप पशुपक्षियों के लिए स्थान नहीं है। इन सब कारनों से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है और प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ती जा रही हैं। कहीं भूकंप, कहीं बाढ़, कहीं तूफान, कभी गर्मी, कभी तेज़ वर्षा इन के कारण कई बीमारियाँ हो रही हैं। इस तरह पर्यावरण के असंतुलन का जन-जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

(ख) तताँरा एक भला और सबकी मदद करने वाला व्यक्ति था। वह हमेशा ही दूसरों की सहायता के लिए तैयार रहता था। परन्तु जब लोगों को तताँरा और वामीरो के प्रेम का पता चला तो गाँव वाले भी तताँरा के विरुद्ध हो गए और उसे भला-बुरा बोलने लगे क्योंकि दोनों अलग-अलग गाँव से थे और उस समय के रीति-रिवाज़ों के अनुसार अलग-अलग गाँव के निवासियों में विवाह सम्बन्ध संभव नहीं था। इस कारण उन्होंने वामीरों के मामलें में साथ नहीं दिया।

(ग) बड़े भाईसाहब के असफ़ल होने के बाद भी अव्वल दर्ज़ा लाने वाले छोटे भाई को डाँटते-फटकारते उसके खेलने जाने पर रोक लगाते हुए वो उसे उम्र का तजुर्बा व घरवालों नसीहत देकर समझाते हैं कि खेल भविष्य के लिए लाभकारी नहीं है। इसे खेलकर उसे कुछ हासिल नहीं होने वाला है। इन सभी कारणों से बचने के लिए छोटा भाई बड़े भाई की नज़रों से छुपकर अपने खेल संबंधी शौक पूरे करता था।

12. **(क)** मीराबाई श्री कृष्ण को पाने के लिए अनेक कार्य करने के लिए तैयार हैं- वे कृष्ण की सेविका बन कर रहने को तैयार हैं, वे उनके विचरण अर्थात् घूमने के लिए

बाग़ बगीचे लगाने के लिए तैयार हैं, ऊँचे-ऊँचे महलों में खिड़कियाँ बनाना चाहती हैं ताकि श्री कृष्ण के दर्शन कर सके और यहाँ तक कि आधी रात को जमुना नदी के किनारे कुसुम्बी रंग की साड़ी पहन कर दर्शन करने के लिए तैयार हैं। मीरा श्री कृष्ण से यह विनती इसलिए करती है क्यों कि वह श्रीकृष्ण के दर्शन का एक भी मौका खोना नहीं चाहती है।

(ख) जो मनुष्य दूसरों के लिए कुछ भी ना कर सके ऐसे जीवन को कवि ने व्यर्थ बताया है क्योंकि अपने लिए ही सोचने वाले, स्वार्थपरता में पलने वाले मनुष्य कभी दूसरों के बारे में नहीं सोच पाते उन्हें हर जगह अपना फ़ायदा-नुकसान ही दिखाई देता है। जो उनकी पशु समान प्रवृतियों को दर्शाता हैं ऐसे लोग सिर्फ़ अपना हित देखते हैं, उन्हें किसी और की किसी प्रकार की चिंता नहीं होती।

(ग) पर्वतीय प्रदेश में वर्षा ऋतु में पल-पल प्रकृति के रूप में परिवर्तन आ जाता है। वर्षा ऋतु में प्रकृति का रूप हर पल बदल रहा है कभी वर्षा होती है तो कभी धूप निकल आती है। पर्वतों पर उगे हज़ारों फूल ऐसे लग रहे हैं जैसे पर्वतों की आँखें हों और वो इन आँखों के सहारे अपने आपको अपने चरणों में फैले दर्पण रूपी तालाब में देख रहे हों। पर्वतों से गिरते हुए झरने कलकल की मधुर आवाज़ कर रहे हैं, पर्वतों पर उगे हुए पेड़ शांत आकाश को ऐसे देख रहे हैं जैसे वो उसे छूना चाह रहे हों। अचानक बारिश के बाद बदलते मौसम से प्रतीत होता है कि आकाश में छाई धुंध अर्थात् उमड़ते-घुमड़ते बादलों के साथ बड़े-बड़े पहाड़ अपने पंखों को फड़फड़ाते हुए उड़ गए हों और वर्षा का देवता इंद्र बादल रूपी यान पर बैठकर जादू का खेल दिखा रहा हो।

13. (क) 'हरिहर काका' कहानी के माध्यम से लेखक ने पारिवारिक स्वार्थपरता एवं हिंसा-प्रवृति को बेनकाब किया है। हरिहर काका के परिवार वाले व भगवान को पूजने वाले महंत ने भी पैसों के लालच में अंधे होकर हरिहर काका के साथ दुर्व्यवहार किया था। महंतों ने काका का अपहरण कर ज़बरन उनके अंगूठे की छाप भी ले ली। उधर उनके काका के भाई भी ज़मीन हड़पने हेतु उन्हें मारने-पीटने लगे ताकि काका ज़मीन उनके नाम कर दें। इससे पारिवारिक पैसों के लालच की कटु सत्यता प्रतीत होती है।

(ख) वर्तमान में विद्यालयों में बढ़ती हुई अनुशासनहीनता को देखते हुए प्रीतम चंद जैसे अध्यापकों की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि आज के विद्यार्थियों को मार-पीटकर समझाना संभव नहीं है यदि ऐसा किया जाए तो वे विद्यालय से विमुख हो कोई घातक परिणाम हमारे सामने ला सकते है। हमें विद्यालय में ऐसे अध्यापकों की आवश्यकता है जो बच्चों की बात सुने और उनके स्तर की सोच पर उतरकर उन्हें समझा सकें। विद्यार्थी भी ऐसे अध्यापक की बात सुनते व अनुसरण करते है।

(ग) टोपी की दादी का स्वभाव सख़्त और अनुशासन प्रिय था। वे हमेशा टोपी को डाँटती और फटकारती रहती थी। इसके विपरीत इफ़्फ़न की दादी असीम प्यार से भरी थी। वह कभी बच्चों को डाँटती नहीं थीं उसे बड़े प्यार से अपने पास बैठाकर बातें करती थीं इसलिए टोपी अपनी दादी के सख्त मिज़ाज के कारण उन्हें नापसंद करने लगा था।

14. अनुच्छेद लेखन

(क) स्वदेशी अपनाओ

संकेत बिन्दु: क्या, आवश्यकता क्यों, देश की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव, सुझाव।

स्वदेशी का अर्थ है- 'अपने देश का' अथवा 'अपने देश में निर्मित'। हमें स्वदेशी साधनों के उपयोग पर बल देना चाहिए। आज के दौर में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की ज़रूरत फिर से महसूस होने लगी है, क्योंकि आज के समय में वही देश विकसित है, जिनके यहाँ ज़रूरत के सामान खुद देश में बनते हैं, ऐसे में यदि हम सुई से लेकर जहाज तक जैसी वस्तुओं के लिए यदि दूसरे देशों पर निर्भर रहेंगे, तो स्वाभाविक-सी बात है, वे देश हमारी निर्भरता को कमज़ोरी मानकर ज़रूर फायदा उठाएँगे और मनमाने दाम पर इन वस्तुओं को बेचेंगे और हमें मजबूरी में इन वस्तुओं को ऊँचे दाम पर खरीदना भी पड़ेगा। ऐसा तभी संभव है जब सभी देशवासी इस बात पर बल दें कि सभी स्वदेशी साधनों की तरफ़ जागरूक हों और अपने देश में बनी हुई चीज़ें खरीदें, यदि यहाँ की बनी हुई चीज़ों की डिमांड बढ़ती है तो निश्चित ही यहाँ के लोग इन चीज़ों को बनाने में ज़्यादा से ज्यादा लोगों को रोज़गार भी मिलेगा, यानि डिमांड और सप्लाई के ज़रिए 'स्वदेशी अपनाओ' आन्दोलन को बढ़ावा दिया जा सकता है।

(ख) सोशल मीडिया का मायाजाल और युवा

संकेत बिन्दु: सोशल मीडिया क्या ?, युवाओं पर प्रभाव, मायाजाल कैसे ?, बचाव हेतु सुझाव

सोशल मीडिया बहुत ही सशक्त माध्यम है और इसका प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति पर पड़ता है। आज सोशल मीडिया के बिना जीवन की कल्पना करना मुश्किल है। सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव युवाओं के मध्य सबसे अधिक देखने को मिलता है। युवा अब शारीरिक खेलों और मनोरंजन के बजाय वीडियो गेम, यूट्यूब आदि का प्रयोग अधिक करते हैं, जिससे युवा वर्ग शारीरिक और मानसिक तौर पर कमज़ोर हो रहा है। सोशल मीडिया एक ऐसा मायाजाल है जो हमारे जीवन से जुड़ा हुआ है। इसके माध्यम से हमारे देश के युवा इस

देश के भविष्य की अर्थव्यवस्था को बना या बिगाड़ सकते हैं, वहीं सोशल नेटवर्किंग साइटस पर अधिक सक्रिय रहना भी उनके ऊपर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। युवाओं को यह बात ध्यान रखना चाहिए कि सोशल मीडिया की चकाचौंध को खुद पर हावी ना होने दें, यहाँ हर पोस्ट पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट आपकी जान से ज़्यादा कीमती नहीं हैं, सोशल मीडिया उपयोग करते समय यह विशेष ध्यान रखें कि किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट ना करें और किसी से भी अपनी प्राइवेट जानकारी शेयर ना करें।

(ग) लड़का-लड़की एकसमान

संकेत बिन्दु: इस सोच की आवश्यकता क्यों? लड़कियों को बढ़ावा कैसे? देश- समाज पर प्रभाव, सुझाव।

हम सभी मनुष्य एक सामाजिक प्राणी हैं, हमारे समाज में लड़का और लड़की दोनों प्रजाति के लोग निवास करते हैं, हमारे समाज और देश को चलाने के लिए लड़का और लड़की दोनों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। पहले लोग लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक महत्त्व देते थे। इसका यह कारण था कि लड़कों को बाहर जाना पड़ता था और नौकरी करनी पड़ती थी इसलिए उन्हें अधिक देखभाल और अधिक शक्ति की आवश्यकता थी। लड़कियों को बाहर जाने की इजाज़त नहीं थी। उन्हें घरों के अंदर रहना पड़ता था और घरेलू काम करना पड़ता था लड़कों को शिक्षा दी जाती थी लेकिन लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति नहीं थी। लड़कियों को समाज में लड़कों से कम माना जाता है तथा लड़कियों को केवल घर के कामों के योग्य समझा जाता है। यह बिल्कुल भी गलत होता है, लोगों को ऐसी सोच नहीं रखनी चाहिए और लड़कियों को भी लड़कों के समान सभी क्षेत्र मे ंअवसर प्रदान करने चाहिए। लड़कों को कहीं भी आने-जाने का अधिकार दिया जाता है उसी प्रकार लड़कियों को भी बिना रोक-टोक के अधिकार देने चाहिए ताकि लड़कियाँ भी देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

आज हमारे सन्मुख एक शिक्षित समाज है। लोगों के विचार बदल गए हैं। लड़कियों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाता हे। उन्हें लड़कों के समान महत्त्व दिया जाता है, क्योंकि यह समय की मांग है। लोग जानते हैं कि एक लड़की को शिक्षित करना पूरे देश को शिक्षित करने जैसा है। इसलिए लड़कियाँ शिक्षा लें। वे नौकरी करते हैं। वे हर तरह की परिस्थितियों को संभालने में सक्षम हैं। भारत में साक्षरता दर बढ़ने के साथ ही, लड़कियों की स्थिति दिन-ब-दिन बदल रही है। सरकार द्वारा कई योजनाएँ चलाई गई हैं जो बालिका शिक्षा को बढ़ावा देती हैं। इसी प्रकार के बदलाव से आने वाले भविष्य में लड़की और लड़के के बीच का अंतर कम हो जाएगा।

15. पत्र लेखन

(क) कमला नगर, आगरा

दिनाँक xx/xx/xxxx

सेवा में,

नगर निगम अधिकारी महोदय,

विषय- प्रतिबंधित प्लास्टिक थैलियों के धड़ल्ले से हो रहे प्रयोग पर रोक लगवाने हेतु।

मान्यवर

निवेदन है कि मैं कमला नगर, आगरा शहर का एक सजग नागरिक हूँ। पर्यावरण के प्रति सचेत होने के नाते मैं आपको अपनी चिंताओं से अवगत कराना चाहता हूँ कि सरकार पिछले कुछ वर्षों से प्लास्टिक की थैलियाँ रोकने का प्रयास कर रही है। सरकार की ओर से सख्त निर्देश भी जारी किए गए हैं, कभी कभार छापे भी डाले गए, इससे छोटे-छोटे दुकानदारों में हड़कंप तो मचा, किन्तु कुछ हल नहीं निकल सका, समस्या ज्यों की त्यों है। मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि प्लास्टिक थैलियों को प्रयोग करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें तथा जुर्माना भी लगाएँ।

आशा है आप इस पर विचार अवश्य करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

अर्णव

अथवा

(ख) अ. ब. स. निवासी

सेवा में

संपादक महोदय

जागरूक समाचार पत्र

.....

विषय - पार्क में हो रहे सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन की समस्या से निवारण पाने हेतु।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं अ.ब.स. नगर की निवासी

भावना गुलेरिया अपने क्षेत्र की तरफ़ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ कि हमारे क्षेत्र के पार्क में कुछ प्रमुख लोगों ने अपने अधिकारों का अनुचित प्रयोग कर उसे सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन केंद्र बना दिया है, जिससे मोहल्ले वासियों को गुंडागर्दी, मार-पीट एवं शोर-शराबे जैसी कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अत: आपके माध्यम से मैं यह चाहती हूँ कि आप अपने पत्र में इस समस्या को उजागर करते हुए संबंधित अधिकारियों तक इस समस्या को पहुँचाकर स्थानीय लोगों को सुविधा मुहैया करने में मदद करें।

धन्यवाद

प्रार्थी

भावना गुलेरिया

दिनाँक 20/xx/xxxx

16. (क) सूचना लेखन

सर्व शिक्षा विद्यालय, ----------

xx/xx/xxxx

साइबर सुरक्षा कार्यशाला

सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य साइबर क्राइम से आपको जागरूक करना है। आज काल साइबर क्राइम अधिकतर बढ़ते जा रहे हैं जिससे पीड़ित व्यक्ति के मन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। साइबर क्राइम से बचने के लिए इस कार्यशाला में सुरक्षा विशेषज्ञ को आमंत्रित किया गया है।

समय एवं अन्य विवरण इस प्रकार है-

दिनाक एवं समय - xx/xx/xxxx

समय प्रात: x बजे से xx बजे तक

स्थान - विद्यालय प्रांगण

मुख्य आकर्षण - नृत्य नाटिका प्रदर्शन

मोहन चटर्जी

अध्यक्ष

विद्यार्थी परिषद

(ख) अथवा

कल्याण संघ, सोसाइटी

सूचना

xx/xx/xxxx

शास्त्रीय नृत्य संगीत कक्षा

सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि हमारी सोसाइटी में शास्त्रीय नृत्य संगीत कक्षाएँ शुरु की जा रही हैं। जिसमें सभी उम्र के लोगों को नृत्य सिखाया जाएगा। आगामी दिनों में राज्य स्तर पर शास्त्रीय नृत्य संगीत की प्रतियोगिता होने वाली हैं इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शास्त्रीय नृत्य संगीत की कक्षाएँ शुरू की गई हैं।

इच्छुक व्यक्ति दिए गए पते पर संपर्क करें-

दिनाक एवं समय - xx/xx/xxxx से xx/xx/xxxx तक

समय प्रात: x बजे से xx बजे तक

स्थान - सोसाइटी हॉल

मुख्य आकर्षण - रविवार को मुफ़्त प्रदर्शन

सचिव

अरुण पटनायक

17. (क) विज्ञापन लेखन

सावधान! सतर्क रहें सावधान!

डेंगू से बचाव

सावधानियाँ —
- ⋆ घर को साफ़ रखें।
- ⋆ कूड़ा कचरा ढक कर रखें।
- ⋆ पानी जमा न होने दें।
- ⋆ बुखार होने पर तुरंत डॉक्टर को दिखाएँ।

ध्यान दें—
- ⋆ डेंगू स्वत: ठीक होने वाला रोग नहीं है।
- ⋆ डेंगू के लक्षण होने पर बिना चिकित्सा के परामर्श के कोई दवा न लें।
- ⋆ पानी जमा न होने दें।

डेंगू के लक्षण—
- ⋆ तेज़ बुखार, पीठ दर्द, आखों मे दर्द।
- ⋆ त्वचा पर चकते एवं लाल निशान
- ⋆ नाक से खून आना।

स्वास्थ मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी

अथवा

(ख)

सूर्य शक्ति सोलर पंखे

पाँच साल की गारण्टी

50% की छूट ऑफर सिर्फ़ एक सप्ताह के लिए

लगाओ सूर्य शक्ति पाओ गर्मी से मुक्ति

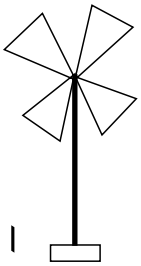

विशेष: पंखे के साथ एक सोलर चार्जर फ्री
पता: 6/X पानी की टंकी के पास कमला नगर आगरा।
फोन न. 82XX45XXXX

18. **(क) लघुकथा लेखन**—एक बार एक औसत छात्र था जो हर परीक्षा में सिर्फ़ पास होने भर का नंबर हासिल कर पाता था। मगर औसत नंबर लाने के बावजूद, वह हमेशा एक डॉक्टर बनना चाहता था। उसके दोस्त उसकी आकांक्षा पर हमेशा हँसते हुए कहते थे कि केवल अच्छे छात्र ही डॉक्टर बन सकते हैं। हालाँकि उसे बुरा लगता था, लेकिन वो कभी इस बात की शिकायत नहीं करता और हर आलोचना को अच्छी भावना से लेता। एक-एक दिन करके वर्षों बीत गए, लेकिन वह डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षा को अपने मन से नहीं निकाल सका। एक बार कुछ ऐसा हुआ कि एक टीवी शो के दौरान उसने एक शिक्षक को यह कहते हुए सुना-जहाँ चाह है वहाँ राह है' उसने देखा कि यह कहावत आश्चर्यजनक रूप से प्रेरणादायक है और वह खुद इसे अपने जीवन से जोड़ सकता है। उस दिन लड़के ने महसूस किया कि उसके पास डॉक्टर बनने की इच्छाशक्ति है, लेकिन उसे थोड़ा और मुखर होने और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उसने दिन-रात अध्ययन करना शुरू किया जैसे कि उसकी एकमात्र इच्छा

सिर्फ़ डॉक्टर बनने की ही थी इसलिए उसके पास कोई भी प्लान भी नहीं था। आखिरकार, उसकी कड़ी मेहनत और अनकही दृढ़ इच्छाशक्ति का फल मिला और वो डॉक्टर बन गया। वास्तव में "जहाँ चाह वहाँ राह"।

अथवा

(ख) ई-मेल लेखन

From: xxxxx@xxxxx000.com
To: xxxx@000. in
CC...
BCC...

विषय- लैपटॉप में खराबी होने के कारण बदलवाने के सन्दर्भ में

महोदय,

मैं आपकी जानकारी में डालना चाहता हूँ कि चार दिन पहले आपकी कंपनी से मैंने ऑनलाइन लैपटॉप मंगवाया था जो कि कुछ तकनीकी खराबी के कारण उचित रूप से कार्य नहीं कर रहा है। उसमें आधी स्क्रीन नहीं चल रही है अत: आप उसे बदल कर नया लैपटॉप भिजवाएँ जिससे मेरा काम सुचारु रूप से हो सके।

धनुष सांगवान

Outside Delhi Set-II **4/6/2**

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक उत्तर)

4. (i) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—उपरोक्त वाक्य में 'जब उसका हाथ उठता ही रहा' प्रधान उपवाक्य है और 'मास्टर साहब ने उसे टोक दिया' आश्रित उपवाक्य है अत: उपरोक्त वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा एक आश्रित उपवाक्य है। इसलिए यह वाक्य मिश्र वाक्य का उदाहरण होगा।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—वाक्य में 'जैसा तर्जुबा उन्हें' प्रधान उपवाक्य है और 'उसकी बराबरी नहीं हो सकती' आश्रित उपवाक्य है। अत: उपरोक्त वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा एक आश्रित उपवाक्य है। इसलिए यह वाक्य मिश्र वाक्य का उदाहरण होगा।

(v) विकल्प (b) सही है।

5. (i) विकल्प (b) सही है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—जिस समास का पूर्व पद प्रधान हो, और वह अव्यय हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

(iii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—इसमें 'सोने की किरण' अर्थात् जब एक समस्त पद को दो सार्थक शब्दों में विभाजित किया जाता है तो वहाँ तत्पुरुष समास होता है। इस समास में, संबंध तत्पुरुष में, संबंध कारक की विभक्ति 'के' 'की' लुप्त हो जाती है।

(iv) विकल्प (b) सही है।

(v) विकल्प (b) सही है।

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक उत्तर)

11. (i) शेख अयाज़ के पिता की एक घटना है- "एक दिन उनके पिता कुएँ से नहाकर लौटे। माँ ने भोजन परोसा। उन्होंने जैसे ही रोटी का कौर तोड़ा, उनकी नज़र अपनी बाजू पर पड़ी। वहाँ एक काला च्योंटा रेंग रहा था। वह भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए।" माँ ने पूछा, 'क्या बात है? भोजन अच्छा नहीं लगा?' शेख अयाज़ के पिता बोले, "नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घर वाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ।" इस घटना में उनकी जीव जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाई देती है।

(ii) तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का यह मत था, "वह तलवार लकड़ी की होने पर भी उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता था। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी नहीं करता था। उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।"

(iii) बड़े भाई साहब के अनुसार तात्कालिक शिक्षा व्यवस्था में एक ही परीक्षा द्वारा छात्रों का मूल्यांकन अर्थात् वार्षिक परीक्षा के परिणाम पर ही छात्रों का भविष्य निर्भर करता था। इस प्रणाली से रटने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता था। इसमें छात्रों के अन्य पहलुओं के मूल्यांकन की न तो व्यवस्था थी और न उन्हें महत्त्व दिया जाता था। इसके अलावा परीक्षकों का दृष्टिकोण भी कुछ ऐसा था कि वे छात्रों से उस तरह के उत्तर की अपेक्षा करते थे जैसा पुस्तक में लिखा है। किताब से उत्तर अलग होते ही शून्य अंक मिल जाते थे। ऐसी शिक्षा की प्रणालियों की कमियों की ओर संकेत किया है।

12. (i) मीराबाई अपने आराध्य श्रीकृष्ण की चाकरी इसलिए करना चाहती हैं ताकि उन्हें इसी चाकरी के बहाने दिन-रात कृष्ण की सेवा का अवसर मिल सके। कृष्ण की चाकरी करने से मीरा के निम्न हित पूरे हो सकेंगे-

वह कृष्ण के नित्य दर्शन पा सकेंगी।

वह चाहती कि वृन्दावन की गलियों में कृष्ण की लीला का यशोगान करें। उनकी तीसरी और अंतिम इच्छा है कि किसी प्रकार उन्हें श्रीकृष्ण की भक्ति प्राप्त हो जाए।

(ii) 'मनुष्यता' कवि ने मनुष्य को मृत्यु से ना डरने का संदेश इसलिए दिया है क्योंकि कवि मैथिलीशरण गुप्त का मानना है कि जब इस शरीर को नष्ट होना ही है अर्थात् यह शरीर नश्वर है, और आत्मा अमर है, तब मृत्यू से डरना क्यों? इसलिए शरीर की नश्वरता को जानते हुए मृत्यु से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रत्येक मनुष्य समयानुसार अवश्य मृत्यु को प्राप्त होता है इसलिए मनुष्य को अपने जीवन में ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे उसे बाद में भी याद रखा जाए। उसकी मृत्यु व्यर्थ न जाए।

(iii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता पर्वतीय सौंदर्य को व्यक्त करने वाली कविता है। प्रकृति का यह सौंदर्य वर्षा में और भी बढ़ जाता है। वर्षा काल में प्रकृति में क्षण-क्षण होने वाला परिवर्तन देखकर लगता है कि प्रकृति सजने-धजने के क्रम में पल-पल अपना वेश बदल रही है। विशाल वाला मेखलाकार पर्वत है जिस पर फूल खिले हैं। पर्वत के पास ही विशाल तालाब है जिसमें पर्वत अपना सौंदर्य निहारता है। इसका कारण यह है कि पर्वतीय प्रदेश में पर्वत के पास स्थित जल से परिपूर्ण तालाब का जल अत्यंत स्वच्छ है। इसी जल में पहाड़ का प्रतिबिंब बन रहा है जिसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। मानो तालाब दर्पण हो।

16. (क) सूचना लेखन

सर्व शिक्षा विद्यालय, ----------

xx/xx/xxxx

सूचना

वार्षिक खेल महोत्सव

आप सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय के द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता आगामी सात अप्रैल को आयोजित की जाएगी। इसमें विद्यालय के सभी कक्षा के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में कुल 18 तरह के खेलों को शामिल किया गया है। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय आने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा।

अत: आप सभी छात्रों से अनुरोध है कि जो भी छात्र इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहते हैं वो अपना नाम विद्यालय के खेल शिक्षक के पास यथाशीघ्र दर्ज़ करा लें। ज़्यादा जानकारी के लिए खेल शिक्षक से संपर्क करें।

छात्रपरिषद सचिव

संगीत महिपाल

(ख) **अथवा**

कल्याण संघ, सोसाइटी

सूचना **xx/xx/xxxx**

नेत्र जाँच शिविर

सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि हमारी सोसाइटी में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें चिकित्सकों द्वारा आँखों का परीक्षण कर आँखों से संबधित समस्या का निवारण किया जाएगा। इस शिविर में नि:शुल्क दवाइयों के वितरण की व्यवस्था भी की गई है इस शिविर में देश के प्रसिद्ध आँखों के विशेषज्ञ को आमन्त्रित किया गया है। इच्छुक व्यक्ति दिए गए पते पर संपर्क करें-

दिनाक एवं समय - xx/xx/xxxx से xx/xx/xxxx तक

समय सांय: x बजे से xx बजे तक

स्थान - सोसाइटी हॉल

सचिव

श्रेष्ठ सहाय

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक उत्तर)

3. (i) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—वाक्य में 'जब अगले वर्ष भी उसे नवें दर्ज़े में ही बैठना पड़ा, प्रधान उपवाक्य है और 'तो वह हताश हो गया' आश्रित उपवाक्य है अत: उपरोक्त वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य तथा एक आश्रित उपवाक्य है। इसलिए यह वाक्य मिश्र वाक्य है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—वाक्य में 'फिर छुट्टियाँ बीतने लगती' प्रधान उपवाक्य है और 'तो दिन गिनने लगते' आश्रित उपवाक्य है। अत: यह वाक्य मिश्र वाक्य है।

(v) विकल्प (d) सही है।

6. (i) विकल्प (c) सही है।

(ii) विकल्प (d) सही है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—भयाकुल शब्द में तत्पुरुष समास है। 'भयाकुल' का समास विग्रह होगा 'भय से आकुल'। इसमें 'से' कारक का प्रयोग हुआ है अत: इसमें 'तत्पुरुष समास' है।

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक उत्तर)

11. (i) लेखक के अनुसार पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। अब जीवन डिब्बे जैसे घरों में सिमटने लगा है। पहले बड़े-बड़े घर, दालान, आँगन होते थे, सब मिलजुल कर रहते थे, अब आत्मकेन्द्रित हो गए हैं। इसलिए लोग छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में सिमटने लगे हैं। अब के लोगों में पहले की भांति आत्मीयता दिखाई नहीं देती।

(ii) पशु पर्व आयोजन में हष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन तथा पशुओं के साथ युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता हाती थी। इसके बाद नृत्य संगीत तथा भोजन का कार्यक्रम होती था। उस दिल वामीरो बहुत घबराई हुई थी और बहुत मुश्किल से तताँरा से मिली। उसके बाद दोनों रोने लगे। उनका रुदन सुन कर वामीरो की माँ आ गई और उसने तताँरा को बहुत भला-बुरा कहा। तताँरा ने क्रोध में आकर पूरे द्वीप समूह को अपनी तलवार से दो भागों में बांट दिया। इसमें तताँरा की मृत्यु हो गई और वामीरों भी उसके प्रेम में पागल होने के बाद मर गई। तँतारा को क्रोधित न होकर अपनी बात गाँव वालों के सामने रख उन्हें समझने का प्रयास करना था।

(iii) बड़े भाईसाहब के अनुसार एक बार कक्षा में अव्वल आने का तात्पर्य यह नहीं हर बार वह ही अव्वल आए। घमंड और जल्दबाज़ी न करते हुए उसे अपनी नींव मज़बूती की ओर ध्यान देना चाहिए अत: पढ़ाई के लिए सतत अध्ययन, खेल कूद से ध्यान हटाना तथा मन की इच्छाओं को दबाना आदि सलाह वे समय-समय पर देते रहते थे।

12. (क) पहले पद में मीरा ने श्री कृष्ण से अपनी पीड़ा हरने की विनती इस प्रकार की है कि हे ईश्वर! जैसे आपने द्रौपदी की लाज रखी थी, गजराज को मगरमच्छ रूपी मृत्यु के मुख से बचाया था तथा भक्त प्रह्लाद की रक्षा करने के लिए ही आपने नृसिंह अवतार लिया था, उसी तरह मुझे भी सांसारिक संतापों से मुक्ति दिलाते हुए अपने चरणों में जगह दीजिए।

(ख) 'मनुष्यता' कविता में मैथिलीशरण गुप्त ने भाग्यहीन उसे माना है जो व्यक्ति धैर्यवान नहीं है अर्थात जिसमें धीरज धारण करने की क्षमता नहीं है, वह व्यक्ति भाग्यहीन है अर्थात् वह व्यक्ति बिल्कुल भाग्यहीन है, जो धैर्य धारण की की क्षमता नहीं रखता। जिसके आचरण में सैदव अधीरता रहती है, वह व्यक्ति भाग्यहीन है। सच्चा मनुष्य वही है जो किसी मनुष्य के काम आए।

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में पहाड़ अत्यंत ऊँचा और विशालकाय है। पहाड़ पर हज़ारों फूल खिले हुए हैं। करघनी के आकर वाला पहाड़ अपनी हज़ार पुष्प रूपी आंखें फाड़ कर नीचे जल से भरे तालाब में अपने विशाल आकार को देख रहा हैं। इसका कारण यह है कि पर्वतीय प्रदेश में पर्वत के पास स्थित जल से परिपूर्ण तालाब का जल अत्यंत स्वच्छ है। पहाड़ भी इस तालाब रूपी दर्पण में अपना प्रतिबिंब निहारकर आत्ममुग्ध हो रहा है।

17. (क) **सूचना लेखन**

समर्पण
(गैर सरकारी संगठन)
सूचना

xx/xx/xxxx

नि:शुल्क सायंकालीन कक्षाएँ

सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि हमारा संगठन प्रौढ़ों के लिए नि:शुल्क सांयकालीन कक्षाएँ आयोजित करने जा रहा है। जिसमें प्रौढ़ व्यक्तियों की शिक्षा पर बल देने का प्रयास किया जाएगा तो निवेदन है कि अधिक-से-अधिक लोग इसमें सम्मिलित हो कर इसका लाभ उठाएँ। इच्छुक व्यक्ति दिए गए पते पर संपर्क करें-

दिनाक एवं समय - xx/xx/xxxx से xx/xx/xxxx तक

समय सांय: x बजे से xx बजे तक

स्थान - 211, x पार्क

अध्यक्ष

अभय सिंह

अथवा

(ख)

विकास माध्यमिक विद्यालय

सूचना **xx/xx/xxxx**

कैरियर परामर्श कार्यशाला

सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में कैरियर परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आपको अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक करना है। वहाँ उपस्थित काउन्सलर आपके कैरियर में आपको मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। अत: सभी इसमें अवश्य भाग लें।

समय एवं अन्य वितरण इस प्रकार है-

दिनाक एवं समय - xx/xx/xxxx से xx/xx/xxxx तक

समय सांय: x बजे से xx बजे तक

स्थान - सोसाइटी हॉल

हर्ष चतुर्वेदी

छात्र परिषद अध्यक्ष

❑❑❑